



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 29, 1978 (वैशाख 9, 1900)

No. 17]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 29, 1978 (VAISAKHA 9, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	आरी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) 937
377	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं
543	1193
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश
437	89
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
--	2309
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस
387	305
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं
—	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं
—	1003
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और	भाग IV—नगर-सरकारी व्यक्तियों और नगर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस
	69

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 377	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE 937
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	543	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1193
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	89
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	387	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	2309
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	305
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1003
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	69

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1978

सं० 24-प्रेज/78—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री महावीर प्रसाद त्यागी, (स्वर्गीय)
पुलिस निरीक्षक,
देहरादून,
उत्तर प्रदेश।

श्री विद्या प्रकाश अवस्थी,
पुलिस उप-निरीक्षक,
देहरादून,
उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

6 दिसम्बर, 1975 को स्टेट बैंक आफ इण्डिया खतौली में सनसनी पैदा कर देने वाली डकैती डाली गई और अपराधी एक चपरासी तथा एक बैंक गार्ड को मारने के बाद 7 लाख रुपए लेकर भाग गए। छान बीन से पता लगा कि यह अपराध मुजफ्फर नगर के तीन निवासियों ने किया था। उनमें से एक 30 दिसम्बर, 1975 को गिरफ्तार कर लिया गया था और उसने अन्य दो संदिग्ध अभियुक्तों के नाम बता दिए। 1 जून, 1976 को निरीक्षक महावीर प्रसाद त्यागी को विषयगत सूचना मिली कि अपेक्षित व्यक्ति चण्डीगढ़ में एक राजा और दूसरा उसके सचिव के भेष में रह रहे हैं। अतः वह सादे कपड़ों में अन्य पुलिस अधिकारियों के हाथ तुरन्त चण्डीगढ़ पहुंचे। 2 जून, 1976 को निरीक्षक महावीर प्रसाद त्यागी ने आत ताइयों को चण्डीगढ़ के एक होटल से निकलते हुए देखा चूंकि स्थानीय पुलिस को सूचित करने तथा उनकी सहायता प्राप्त करने के लिए समय नहीं था, पुलिस अधिकारियों ने अपने जीवन को खतरे में डालते हुए उन दोनों अभियुक्तों को पकड़ने का कार्य स्वयं अपने ऊपर ले लिया जो खतरनाक अपराधी मशहूर थे और हत्या और लूट आदि के अनेक जघन्य अपराधों में अन्तर्गस्त थे। पुलिस अधिकारियों ने अपना परिचय दिया और अभियुक्तों से आत्म समर्पण करने के लिए कहा। उनमें से एक ने तुरन्त चाकू निकाला और वह श्री महावीर प्रसाद त्यागी पर हमला करने ही वाला था कि उन्होंने अपराधी के दाये हाथ को कसकर पकड़ लिया। फिर उसने अपने दूसरे हाथ से अपनी पतलून की जेब

से भरी हुई पिस्तौल निकालने की चेष्टा की। पुलिस दल के श्री जे० पी० सिंह ने उसका हाथ पकड़ लिया और उसे पिस्तौल निकालने से रोक दिया। बच निकलने के प्रयास में अभियुक्त ने श्री त्यागी के बाजू में जोर से काट लिया और कई बार श्री त्यागी की छाती में अपना सिर मारा जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गए। दूसरे अभियुक्त ने भी अपनी जेब से पिस्तौल निकालने का प्रयास किया किन्तु श्री विद्या प्रकाश अवस्थी ने उसे कसकर पकड़ लिया। तब अभियुक्तों ने शोर मचाकर कि उनका अपहरण किया जा रहा है जनता की सहानुभूति प्राप्त करने की कोशिश की। सगड़ों के कारण लोगों का ध्यान उनकी ओर आकर्षित हुआ और शीघ्र ही पुलिस ने आकर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एक स्टेनगन के साथ 2,71,668.25 रुपए बरामद हुए। इतने में निरीक्षक महावीर प्रसाद त्यागी बेहोश हो गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया जहां घावों के कारण 17 दिन के बाद उनकी मृत्यु हो गई।

इस कार्यवाही में श्री महावीर प्रसाद त्यागी और श्री विद्या प्रकाश अवस्थी ने साहस, पहल शक्ति, दृढ़ निश्चय और उच्च-कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिए जा रहे हैं तथा फल स्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भर्ता भी दिनांक 2 जून, 1976 से दिया जाएगा।

सं० 25-प्रेज०/78—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अहमदुल्ला खां, (स्वर्गीय)
पुलिस उप निरीक्षक,
मध्य प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

1/2 मार्च, 1976 को रात को 1 बजकर 45 मिनट पर साबरमती एक्सप्रेस, जो वाराणसी और अहमदाबाद के बीच चलती-है, उत्तर प्रदेश में पामा रेलवे स्टेशन से चली। सहसा रेलगाड़ी के दो टायर के एक डिब्बे में यात्रा कर रहे छ व्यक्तियों ने डिब्बे के यात्रियों को मारना तथा उनके सामान को लूटना आरम्भ कर दिया। उनमें से तीन पिस्तौलों से और दूसरे चाकूओं से लैस थे। उत्तर प्रदेश पुलिस के उप निरीक्षक देव सिंह और मध्य प्रदेश पुलिस के उप निरीक्षक अहमदुल्ला खां भी उसी

कम्पार्टमेंट में यात्रा कर रहे थे। भारी खतरे की परवाह किए बिना दोनों उप निरीक्षकों ने डाकुओं को ललकारा और यात्रियों से कहा कि वे साहस के साथ उनका मुकाबला करें। उप निरीक्षकों को बहते देखकर डाकुओं ने उन पर गोली चला दी। सोभाग्यवश श्री देव सिंह बच गए किन्तु श्री अहमदुल्ला खां को गोली लग गई और वे घटनास्थल पर वीरगति को प्राप्त हो गए। बाद में डाकुओं ने रेलगाड़ी रोकी और लूटी हुई सम्पत्ति के साथ बचकर भाग गये।

इस घटना में श्री अहमदुल्ला खां बड़े साहस, पहल शक्ति और उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृति भरता भी दिनांक 2 मार्च, 1976 से दिया जाएगा।

सं० 26 प्रेज०/78—राष्ट्रपति असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री अरुण चन्द्र देव,
कम्पनी हवलदार मेजर,
छठी बटालियन,
कैथल, असम।

श्री विधू भूषण चक्रवर्ती,
हवलदार,
छठी असम पुलिस बटालियन,
कैथल, असम।

श्री कुतुबुद्दीन बोर्भुयन,
सगस्त शाखा, कांस्टेबल सं० 560
छठी असम पुलिस बटालियन
कैथल असम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

7 दिसम्बर 1976 को बारुणचेरापर जिला कठार में सशस्त्र विरोधियों के एक गिरोह की उपस्थिति के बारे में सूचना मिली। कम्पनी हवलदार मेजर बाह्य चौकी के प्रभारी श्री अरुण चन्द्र देव ने तुरन्त ही एक छापामार दल गठित किया। विरोधियों के शिविर पर पहुंचने पर अपने दल को तीन भागों में विभाजित किया एक विरोधियों पर आक्रमण करने के लिये दूसरा विरोधियों के बचने के रास्ते को रोकने के लिए और तीसरा अपनी दल की कवरींग फायर के लिए। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए श्री देव ने विरोधियों के विरुद्ध जो बड़ी सुरक्षित स्थिति में थे आक्रमणकारी दल का स्वयं नेतृत्व किया। जैसे ही पुलिस दल उनके पास पहुंचा विरोधियों ने गोली चला दी। पुलिस दल ने भी जवाब में गोली चलाई। मूठभेड़ के दौरान हवलदार विधू भूषण चक्रवर्ती ने एक विरोधी को एक झाड़ी में छिपे हुए देखा जो पुलिस दल को अपनी राइफल का निशाना बना रहा था। बड़ी सूझ-बूझ के साथ और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए श्री चक्रवर्ती विरोधी के मोर्चे की ओर

लपके और अपनी स्टेनगन से गोली चलाकर उसे मारने में सफल हो गए। श्री कुतुबुद्दीन बोर्भुयन ने जिन्हें कवरींग फायर देने के लिए तैनात किया गया था यह देखकर कि विरोधियों को पीछे हटकर घने वन की ओर भाग जाने की सम्भावना है तो वह भारी कठिनाइयों के होते हुए उनके पास चले गए और अपनी स्टेनगन से गोली चलाकर उनको काफी आघात पहुंचाई। वे एक विरोधी को मारने में सफल हुए और उनके इस कार्य से आक्रमणकारी दल आगे बढ़ने तथा दूसरों पर आक्रमण करने में समर्थ हुआ। भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद पकड़ा गया।

इस कार्यवाही में श्री अरुण चन्द्र देव श्री विधू भूषण चक्रवर्ती और श्री कुतुबुद्दीन ने बहादुरी साहस दृढ़ निश्चय और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 दिसम्बर 1976 से दिया जाएगा।

सं० 27-प्रेज०/78—राष्ट्रपति दिल्ली पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं।

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री ओम प्रकाश (स्थानापन्न)
उप निरीक्षक सं० 264/डी०
दिल्ली पुलिस
दिल्ली।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

30 अप्रैल 1973 को श्री ओम प्रकाश दिल्ली बन्द के सम्बन्ध में मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र में गश्ती ड्यूटी पर थे। प्रायः लगभग 10 बजकर 15 मिनट पर उनको सूचना मिली कि एक उपद्रवी भीड़ ने एक छापेखाने को घेर रखा है। जैसे ही घटनास्थल पर पहुंचे तो उन्होंने भीड़ द्वारा बिल्डिंग को आग लगाते हुए देखा। बिल्डिंग का मालिक और उसके परिवार के सदस्य अन्दर फंसे गए थे। श्री ओम प्रकाश अपने जीवन का खतरा मोल लेकर बिल्डिंग के अन्दर गए और मालिक और उसके परिवार के सदस्यों को एक एक करके बाहर निकाला और उनको पुलिस की गाड़ियों तक ले गए जो मकान के बाहर प्रतीक्षा कर रही थीं। क्रुद्ध भीड़ ने परधरों और लाठियों से गाड़ियों पर आक्रमण किया किन्तु पुलिस दल परिवार को सुरक्षित ले जाने में सफल हो गया। गाड़ियों के चले जाने के बाद भीड़ ने श्री ओम प्रकाश से बदला लेने का प्रयत्न किया और उन्हें निर्दयता से मारा। हिंसक भीड़ के आक्रमण का अकेले सामना न कर पाने के कारण वे जमीन पर गिर पड़े किन्तु इतने में और पुलिस कुमुक आ जाने से उन्हें बचा लिया गया।

श्री ओम प्रकाश ने इस प्रकार वीरता साहस दृढ़-निश्चय तथा उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 30 अप्रैल 1973 से दिया जाएगा।

के० सी० मादप्पा, राष्ट्रपति के सचिव

योजना आयोग

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० 11-2/74-भा० जा० सं०—भारत और जापान में आर्थिक विकास के अध्ययन से संबंधित जो समिति योजना आयोग के दिनांक 1 जून, 1962 के संकल्प संख्या एफ-13(39)/62 प्रशा-1 के अधीन स्थापित की गई थी और योजना आयोग के दिनांक 14 सितम्बर, 1976 के संकल्प संख्या 11-2/74-भा० जा० सं० के अधीन पिछली बार पुनर्गठित की गई थी वह निम्नलिखित रूप में और भी पुनर्गठित की गई है :—

श्री बदरुद्दीन तथ्यब जी	अध्यक्ष
श्री बी० जी० राज्याध्यक्ष	सदस्य
डा० एम० एस० स्वामीनाथन	सदस्य
डा० बी० बी० मेहता	सदस्य
श्री चरत राम	सदस्य
डा० फ़ैदी मेहता	सदस्य

2. योजना आयोग में निदेशक श्री आर० पी० एस० वर्मा इस समिति के सचिव होंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों, राज्यों के सभी मुख्य मंत्रियों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति के सचिव, राष्ट्रपति के सैनिक सचिव, और विदेशों में स्थित सभी दूतावासों के अध्यक्षों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इसकी एक प्रति भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाए।

कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

कंपनी कार्य विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 अप्रैल 1978

सं० 27/26/78-सी० एल०-2—कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 209 क की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त धारा 209क के उद्देश्य के लिये प्रादेशिक निदेशक, कंपनी विधि बोर्ड, कलकत्ता के कार्यालय के निरीक्षक अधिकारी श्री बी० पी० कपूर को प्राधिकृत करती है।

एन० एल० पिल्लै, अवर सचिव

गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० 4/13/78-के० सं०(I)—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के निम्नलिखित ग्रेड-I अधिकारियों को, राष्ट्रपति सहर्ष

उसी सेवा के सेलेक्शन ग्रेड में, प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से, स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं :—

सर्वश्री

1. एम० पी० रोडरिक्स (गृह मंत्रालय)	1-1-1975
2. के० एम० बनोट (खान विभाग)	1-4-1975
3. आर० एल० मोहन (सिचाई विभाग)	1-5-1975
4. एस० सी० बटनागर (व्यय विभाग वित्त मंत्रालय)	1-8-1975
5. एम० जी० थोमस (विमानन महानिदेशक का कार्यालय)	1-8-1975
6. ए० डी० चटर्जी (रक्षा मंत्रालय)	1-11-1975
7. ओ० पी० मेहरा (वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग)	1-10-1976
8. हरिश्चन्द्र (सांख्यिकी विभाग)	1-10-1976
9. एस० एस० प्रधान (सिचाई विभाग)	1-1-1977

के० एल० रामाचन्द्रन, उप सचिव

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1978

सं० 11013/1/77-ई० एस०—निम्नलिखित सेवाओं में ग्रेड IV की रिक्तियों को भरने के लिए 1978 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

(i) भारतीय अर्थ सेवा, और

(ii) भारतीय सांख्यिकीय सेवा।

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण सरकार द्वारा यथा निर्धारित रूप में किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अभिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से है :—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, [अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां सूचियां (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन

अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956 संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959, [अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962 संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश 1964 संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968, संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968 और संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970 ।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी ।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे ।

4. उम्मीदवार—

- (क) भारत का नागरिक, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, अवश्य हो, या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (ङ) कोई भारत मूलक व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों, जॉर्जिया, मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रव्रजन कर आया हो ।

परन्तु (ख), (ग) (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजीबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए ।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किंतु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो ।

5(क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1978 को 21 वर्ष पूरी हो गई हो किंतु 26 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1952 से पहले और 1 जनवरी 1957 के बाद नहीं हुआ हो ।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्न-लिखित मामलों में छूट दी जाएगी :—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष ।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्ला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्ला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत से प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष ।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष ।
- (vi) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार पत्र हो) और उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक तीन वर्ष ।
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।

- (ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांति-ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांति-ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के रक्षा कार्मिकों के लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (xii) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जातिके हों अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (xiii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो या जाम्बिया, मलावी, जैरे और झिम्बावे से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ।

(ग) ऐसा उम्मीदवार जो निर्णायक तारीख अर्थात् पहली जनवरी, 1978 को निर्धारित ऊपरी आयु-सीमा से अधिक आयु का हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध किया गया था या 25-6-75 तथा 21-3-77 के बीच की आन्तरिक आपात स्थिति की अवधि के दौरान अभिकथित राजनैतिक कार्य-कलापों या तत्कालीन प्रतिबंधित संगठनों से संबंधित होने के कारण भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन गिरफ्तार या कैद हुआ था और इस प्रकार उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु-सीमा के अन्दर होते हुए भी परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया गया था, इस शर्त पर परीक्षा में बैठने का पात्र होगा कि जून, 1975 और मार्च, 1977 के बीच की अवधि के दौरान वह परीक्षा में कम से कम एक बार भी नहीं बैठ पाया हो अर्थात् (उसने परीक्षा छोड़ दी हो) ।

टिप्पणी :—इस रियायत के अन्तर्गत जो कि 31-12-79 के बाद होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र नहीं होगी एक से अधिक अवसर नहीं दिया जाएगा ।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित ामा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती ।

6. भारतीय अर्थ सेवा के लिए उम्मीदवार के पास केंद्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय को या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं को अर्थशास्त्र या सांख्यिकी विषय सहित डिग्री होनी चाहिए और भारतीय सांख्यिकीय सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास सांख्यिकी या गणित या अर्थशास्त्र विषय सहित डिग्री अथवा उसके समरूप योग्यता होनी चाहिए ।

टिप्पणी I : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किंतु अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है । जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है । यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा । परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी । और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 1 दिसम्बर, 1978 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है ।

टिप्पणी II—: विशेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है जिसके पास पूर्वोक्त योग्यताओं में से कोई भी योग्यता न हो बशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण की हों जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसकी परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे ।

टिप्पणी III : यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा अर्हता प्राप्त हो, किंतु उसने किसी विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है ।

उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी ।

जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप से काम कर रहे हो चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हो, पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हो, उन सबको अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान की ओर से आयोग के नोटिस के अनुबंध के पैरा 2 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार “अना-पत्ति प्रमाण-पत्र” प्रस्तुत करना होगा ।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा ।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में सब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो ।

11. जिस उम्मीदवार ने

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में फेर-बदल किया गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के संबंध में किन्हीं अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अमव आशय की हो, अथवा
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, अथवा
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- (xi) पूर्वाक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अव्यभिचित करने का प्रयास किया हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उस पर अपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—
 - (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
 - (ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए
 - (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से
 - (ii) केंद्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपवर्जित किया जा सकता है, और
 - (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अंशक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करें तो उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार इन जातियों के

लिए आरक्षित व्यक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनायेगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए अनुशंसा की जाएगी उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर जितनी आरक्षित रिक्तियों को भरने का निर्णय किया जाता है वे नियुक्तियां उनकी देखकर होंगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं लिए जा सकते हों तो उनके आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान क्यों न हो, नियुक्ति के लिए उनकी अनुशंसा की जा सकेगी, बशर्त कि ये उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ रहा हो, तो उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र देते समय व्यक्त किए गए वरीयता क्रम पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए कि जिससे सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों को डाक्टरी परीक्षा करायी जा सकती है।

टिप्पणी :—कहीं निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार को किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके ब्यौरे इन नियमों के परिशिष्ट

III में दिए गए हैं। रक्षा सेनाओं के भूतपूर्व विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त हुए सैनिकों की और 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा दल के कामियों की सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरों की जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

18. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया हो, जिसका पहले से जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है, तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट II में दिया गया है।

पी० जी० लेले, अवर सचिव

परिशिष्ट-I

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।
भाग-I—नीचे दिखाए गए विषयों में एक लिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे।

भाग-II—आयोग द्वारा जिन उम्मीदवारों को बुलाया जाता है, उनके लिए मौखिक परीक्षा [इस परिशिष्ट की अनुसूची का भाग (क) देखिए] जिसके पूर्णांक 250 होंगे।

2. भाग-I के अंतर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रत्येक विषय के प्रश्नपत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है :

क्रमांक	विषय	पूर्णांक	निर्धारित समय
1	2	3	4
क. भारतीय अर्थ सेवा			
1.	सामान्य अंग्रेजी	150	3 घंटे
2.	सामान्य अध्ययन	150	3 घंटे
3.	सामान्य अर्थशास्त्र I (भाग I और II)	200	भाग I-1 घंटा } भाग-II-2 घंटे } 3 घंटे
4.	सामान्य अर्थशास्त्र II (भाग I और II)	200	भाग I-1 घंटा } भाग-II-2 घंटे } 3 घंटे
5.	भारतीय अर्थशास्त्र (भाग I और II)	200	भाग I-1 घंटा } भाग-II-2 घंटे } 3 घंटे

1	2	3	4
ख. भारतीय सांख्यिकीय सेवा			

1.	सामान्य अंग्रेजी	150	3 घंटे
2.	सामान्य अध्ययन	150	3 घंटे
3.	सांख्यिकीय I	200	3 घंटे
4.	सांख्यिकीय II	200	3 घंटे
5.	सांख्यिकीय III	200	3 घंटे

नोट I—सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन विषयों पर प्रश्नपत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे।

नोट II—भारतीय अर्थ सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 के विषयों से संबंधित प्रश्नपत्र के भाग I में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे और इन विषयों के प्रश्नपत्रों के भाग II में संक्षिप्त-उत्तर और निबन्ध वाले प्रश्न पूछे जायेंगे।

नोट III—भारतीय सांख्यिकीय सेवा के क्रमांक 3 और 4 विषयों के प्रश्नपत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे और क्रमांक 5 से संबंधित प्रश्न पत्र में निबन्ध वाला प्रश्न पूछा जायेगा।

नोट I—अन्य विवरण के लिये, जिसमें विभिन्न विषयों के प्रश्न पत्रों में पूछे जाने वाले वस्तुपरक प्रश्न भी शामिल हैं, परिशिष्ट I पर उम्मीदवारों की विवरणिका देखिये।

नोट II—उपर्युक्त विषयों के स्तर और पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिये गये हैं।

3. सभी प्रश्नपत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखने चाहिये।

4. उम्मीदवार को प्रश्नपत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिये किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिये जायेंगे।

7. केवल सतही ज्ञान के लिये कोई अंक नहीं दिये जायेंगे।

8. कम से कम शब्दों में सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अभिव्यंजना को श्रेय दिया जायेगा।

9. प्रश्नपत्रों में, जहां आवश्यक हो, तोलों और मापों को केवल मेट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे।

अनुसूची भाग 'क'

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सिद्धान्त को तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करें और सिद्धान्त को सहायता से समस्याओं का

विश्लेषण करे। अर्थशास्त्र और सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनको आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं में विशेष रूप से परिचित हों।

सामान्य अंग्रेजी

प्रश्न इस प्रकार पूछे जायेंगे जिससे उम्मीदवारों को अंग्रेजी समझने और अंग्रेजी शब्दों को कुशल प्रयोग करने की क्षमता की जांच हो सके।

सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र में वर्तमान घटनाक्रम की जानकारी शामिल होगी और कुछ ऐसे मामले भी होंगे जो दैनिक निरीक्षण और अनुभव से सम्बन्धित हैं और जिनको वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एक पढ़ा लिखा आदमी समझ सकता है। इस प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से सम्बन्धित प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर विशेष अध्ययन के बिना ही उम्मीदवार दे सके।

सामान्य अर्थशास्त्र-I

उपभोक्ता की मांग का सिद्धान्त, तटस्थता वक्र विश्लेषण प्रकट अधिमानता अभिगम।

उत्पादन का सिद्धान्त : उत्पादन के तत्व : उत्पादन कृत्य, प्रतिफल के नियम, प्रतिष्ठान और उद्योग का संतुलन।

मूल्य का सिद्धान्त विपणन व्यवस्था के विभिन्न रूपों में मूल्य निर्धारण; सार्वजनिक उपयोगिता मूल्यन।

वितरण का सिद्धान्त उत्पादन के तत्वों को मूल्यन; भाड़ा, मजदूरी, व्याज और लाभ के सिद्धान्त—विशाल वितरण सिद्धान्त—संकलन समस्या—आय वितरण में असमानताएं।

कल्याणमूलक अर्थ शास्त्र : प्राचीन और नवीन कल्याण मूलक अर्थशास्त्र—क्षतिपूर्ति नियम, नीतिमूलक ग्रंथियां।

राष्ट्रीय आय की अवधारणा-सामाजिक लेखा/नियोजन का सिद्धान्त—निषण और मुद्रास्फीति-शास्त्रीय और नवशास्त्रीय अभिगम नियोजन के सम्बन्ध में कोन्स का सिद्धान्त और कोन्स के बाद की गतिविधियां।

सामान्य अर्थशास्त्र-II

आर्थिक विकास की अवधारणा और उसका मापन-विकास के सिद्धान्त।

विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समस्याएं—जन-संख्या वृद्धि और आर्थिक विकास।

आयोजन : अवधारणा और पद्धतियां—आर्थिक संगठन को पूंजीवादी और समाजवादी प्रणालियों के अन्तर्गत आयोजन—मिश्रित अर्थ व्यवस्था में आयोजन—परिदृष्ट्यात्मक आयोजन—क्षेत्रीय आयोजन—निवेश के निर्धारक और प्रविधियों का चयन।

अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्री, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त व्यापार में लाभ—व्यापार की शर्तें—व्यापार नीति अन्तर-राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास—व्यापार शुल्क पद्धति के सिद्धान्त।

भुगतान संतुलन—भुगतान संतुलन में असमानताएं—संपत्ति की मांग—विदेश व्यापार गणक—विनियम की दृष्टि—आयात और विनियम के नियम।

आई० एम० एफ० और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा सुधार जी० ए० टी० टी० आर्थिक विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहायता—आई० बी० आर० डी० और उनके अनुबंध।

मुद्रा उसका मूल्य और प्रयोजन—मुद्रा नीति केन्द्रीय और वार्षिक के तहत के तहत।

सार्वजनिक नीति और उसी लक्ष्य कराधान और व्यय के सिद्धान्त—सार्वजनिक व्यय का लक्ष्य और परिणाम—कराधान का प्रभाव और घटन—घाटे की वित्त व्यवस्था—सार्वजनिक ऋण का सिद्धान्त—

अर्थशास्त्र में सांख्यिकी का प्रयोग—सांख्यिकीय मापन और विचलन के माप मूल्यों और परिमाणों के सूचकांक—उनकी सीमाएं।

भारतीय अर्थशास्त्र

भारतीय अर्थ व्यवस्था के बुनियादी लक्षण विकास तंत्र—कृषि और उद्योग की भूमिका—विदेश व्यापार की भूमिका—संतुलित विकास की अवधारणा।

आयोजन उद्देश्य प्राथमिकताएं और समस्याएं—पंचवर्षीय योजनाएं—साधन संपादन की समस्या।

कृषि : नया कृषि तंत्र—भू सम्बन्ध और भू-सुधार—देहाती माख—गिचाई और उर्वरकों का स्थान—कृषि विपणन—कृषि उत्पादों के मूल्य फसल आयोजन—सामुदायिक विकास—उपाजीविका और ग्रामोद्योग।

सहकारिता : ग्रामीण विकास में इसका स्थान—भारत में सहकारी आंदोलन का विकास।

उद्योग औद्योगिक विकास का व्यूह—स्थल निर्देश की समस्या—वृद्धाकार और लघु उद्योगों की समस्याएं—औद्योगिक नीति—औद्योगिक संपदाएं—औद्योगिक वित्त के संसाधन—विदेशी पूंजी की भूमिका सार्वजनिक उद्यम : संगठन, प्रबन्ध नियंत्रण और समर्थनीयता, मूल्य नीति।

श्रम : रोजगारी, बेरोजगारी और कम रोजगारी—औद्योगिक सम्बन्ध और श्रम कल्याण—श्रम नीति—मजदूरी, मूल्य और आय नीति—विदेशी व्यापार : भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताएं—विदेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार भुगतान संतुलन—

मुद्रा और बैंकिंग : भारतीय मुद्रा विपणनी का संगठन—वार्षिक बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंक की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति—

सार्वजनिक वित्त : वित्तीय नीति—सार्वजनिक व्यय की वृद्धि कराधान नीति—सघ और राज्य सरकारों के लिए राजस्व के प्रमुख स्रोत—सार्वजनिक ऋण नीति—घाटे की वित्त व्यवस्था—संघ और राज्यों के बीच वित्तीय सम्बन्ध—

सांख्यिकी—1

नोट : केवल वस्तु परक (बहुविकल्पीक) प्रश्न पूछे जाएंगे ।
 प्रायिकता (40 प्रतिशत प्रधानता)—माप सिद्धान्त के तथ्य—प्रसिद्ध परिभाषाएं और स्वयं सिद्ध अभिगम—प्रतिदर्श अवकाश—संकुल और संकलित प्रायिकता के नियम—II घटनाओं में से III घटनाओं की प्रायिकता प्रतिबंधित प्रायिकता—वैयर्थ्य का प्रमेय—सांख्यिक विचरण—विरल और अविरल वितरण कार्य—मांगक प्रायिकता वितरण—बर्गौली, समरूप द्विपदीय, पाइसन, ज्यामितीय, आयत, धातीय, सामान्य, वांछी, पराज्यामितीय, बहुपदीय, आग्लेस, ऋणद्विपदीय, ब्रीटा, गामा, लघु सामान्य तथा संकलित पाइसन वितरण—अभिगम वितरण में, प्रायिकता में और प्रायिकता एक के साथ और माध्य वर्ग में—आधूर्णन और संचायक—गणितीय अपेक्षा और प्रतिबंधित अपेक्षा—लक्षणान्तरक फलन और आधूर्ण तथा प्रायिकता जनक फलन—विलोम—विलक्षणता और सातत्य सिद्धान्त टेकेवाइचेक और कोल्मोसोरोव असमानताएं—बृहत् संख्या नियम और स्वतंत्र विचरणों के लिए केन्द्रीय सीमा सिद्धान्त ।

सांख्यिकीय पद्धतियां (45 प्रतिशत प्रधानता)

तथ्यों का संग्रह, संकलन और प्रस्तुतीकरण—चार्ट, डायग्राम और हिस्टोग्राम आवृत्ति वितरण—निर्देशन, विक्षेपण और विषमता का माप द्विचर और बहुचर तथ्य—साहचर्य और आसंग—वक्र समंकन और लांबिक बहुपद—द्विचर विवरण द्विचर सामान्य वितरण—समाश्रयण, रेखीय, बहुपदीय—सहसम्बन्ध गुणांक का वितरण आंशिक और प्रहल सहसम्बन्ध अन्तर्वर्णीय सहसम्बन्ध—सहसम्बन्ध अनुपात—

मानक त्रुटियां और बृहत् प्रतिदर्श परीक्षण—प्रतिदर्श वितरण— χ^2 , s , t , Chi —वर्ग और F इन पर आधारित प्रमुखता परीक्षण—

गैर-परासमितीय परीक्षण—साइन-मोडियन, रन विचलनावसन, मैनविटनी, वाल्ड वुल्फोविट्ज आदि—खरीयता क्रम सांख्यिकी अत्यंतम, अधिकतम, रेंज और मोडियन

आकड़ों का विश्लेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

गायरेन, न्यूटन ग्रेगरी, न्यूटन (विभाजित अंतर), गार्स और स्टर्लिंग पर प्रचलित अंतर्वेशन सूत्र (क्षेप संभावना सहित)—यूलर मैकलारिन का संकलन सूत्र—विलोम अंतर्वेशन—आकड़ों का समाकलन और अवकलन प्रथम गुणांक का विभेद समीकरण—स्थिर गुणकों के साथ एकघातीय विभेद समीकरण—

सांख्यिकी—II

नोट : केवल वस्तुपरक (बहु विकल्पीक) प्रश्न पूछे जाएंगे ।
 एकघातीय प्रतिमान (25 प्रतिशत प्रधानता)

एक घातीय आकलन का सिद्धान्त—गाम मार्कोफ प्रतिष्ठापन—कनिष्ठ वर्ग आकलन—बी०-विलोम का प्रयोग—एकतरफा और दो तरफा वर्गीकृत तथ्य का विश्लेषण—निश्चित, मिश्रित और यादृच्छिक प्रभाव वाले प्रतिमान समाश्रयण गुणकों के लिए परीक्षण

आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता)

अच्छे आकलन के लक्षण—अत्यधिक संभावना, कनिष्ठ बी० वर्ग, आधूर्ण और कनिष्ठ वर्गों को आकलन पद्धतियां—अत्यधिक संभावना आकलन क्रैमर राव असमानता—भट्टाचार्य परिसीमाएं—पर्याप्त आकलन-गुणन खंडन प्रमेय—संपूर्ण आंकड़े—राव—ब्लेकवेल प्रमेय—विश्वास अंतराल—आकलन-टाटलम विश्वास परिसीमाएं ।

परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

सरल और जटिल परिकल्पना—दो प्रकार की त्रुटियां—क्रांतिक क्षेत्र—विभिन्न प्रकार के क्रांतिक क्षेत्र और सरूप क्षेत्र—घात फलन—अत्यन्त प्रभावशाली और समान रूप से अत्यंत प्रभावशाली परीक्षण—नेमन, पियरसन आधारभूत लेना—अनमिनत परीक्षण—स्थाली पुलाक परीक्षण—संभावना अनुपात परीक्षण—वाल्ट का SPRT—OC और ASN फलन—निर्णय के प्राथमिक तत्व और खेल सिद्धान्त—

बहुचर विश्लेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

बहुचर सामान्य वितरण—माध्य प्रसारक का आकलन और सहचरिता ब्यूह होटलिंग का T^2 स्थैतिक—महलनाबिस का D^2 स्थैतिक—बहुचर सामान्य जनसंख्या के प्रतिदर्श में आंशिक और बहुल महसंबंध गुणांक—विशार्ट का वितरण—उसका प्रति-रूपणात्मक और अन्य स्वभाव—विल्क का निकष—विवेचनात्मक फलन—प्रमुख घटक—नियमानुकूल विचर और सहसंबंध—

सांख्यिकी—III

नोट.—केवल निबंध शैली के प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें सुदीर्घ और जटिल निरूपण आवश्यक न हों ।

भाग 'क' (राव के लिए अनिवार्य)

प्रतिदर्श प्रविधियां (35 प्रतिशत प्रधानता)

जनगणना बनाम प्रतिदर्श सर्वेक्षण—प्रारंभिक और विस्तृत प्रतिदर्श सर्वेक्षण, प्रतिस्थापन के साथ या उसके बिना सरल यादृच्छिक प्रतिचयन और प्रतिदर्श आबंटन—लागत और विचरण फलन—आकलन की आनुपातिक और समाश्रयी पद्धतियां—आकार के समानुपात में प्रायिकता सहित प्रतिचयन-संकुल, दुहुरा, बहुरूपी, बहुस्तरीय और व्यवस्थित प्रतिचयन—अंतःप्रवेशी उप-प्रतिचयन—प्रतिचयनेतर त्रुटियां ।

अर्थ सांख्यिकी (25 प्रतिशत प्रधानता)

समय श्रेणी के घटक—उनके निर्धारण की विधियां—विचरण विभेद पद्धति—यूल, मलस्की प्रभाव—सहसंबंध चित्र—प्रथम और द्वितीय क्रम के स्वयंसमाश्रयी प्रतिदर्श—समयावधि चित्र का विश्लेषण—मूल्यों और परिमाणों के सूचकांक और उनके मापेक्ष गुण—थोक और खुदरा मूल्यों के सूचकांक की रचना—आय वितरण—पेरिट और इंगेल वक्र—एकाग्रता वक्र—राष्ट्रीय आय का आकलन करने की पद्धतियां—खंडांतर प्रवाह—अंतरीक्षणिक तालिका ।

भाग (ख)

(उम्मीदवार निम्नांकित विषयों से किसी भी विषय पर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं।)

(i) सांख्यिकीय गुण नियंत्रण और परिचालन अनुसंधान (40 प्रतिशत प्रधानता)

विचारों और गुणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रक चित्र-गुणों के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—एकल, दूबद, बहुल और शृंखलामुलक प्रतिचयन योजनाएं—OC और ASN फलन AOQL और ATI की धारणा—विचर के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन डाइज रोमिंग और अन्य तालिकाओं का प्रयोग।

परिचालन अनुसंधान का अभिगम—रेखागत कार्यायतन के प्राथमिक तत्व सिप्लेक्स प्रक्रिया—परिवहन और नियोजन समस्याएं—द्वयात्मकता का नियम—एकल और बहुल श्रावधिक सूची नियंत्रण के नमूने—ABC विश्लेषण—प्रतीक्षा रेखा प्रतिशत के लक्षण—M/M/1/M/MC नमूने—ग्राम नक्ली की समस्याएं—तट्ट या क्षीण होने वाले तत्वों के प्रतिस्थापन के नमूने।

(ii) जनानिकी और जनन-मरण आंकड़े (40 प्रतिशत प्रधानता)

जीवन तालिका उसका निर्माण और लक्षण—मेकहम और गामपट्ट वक्र—राष्ट्रीय जीवन तालिकाएं—राष्ट्र संघ की जीवन तालिकाओं के नमूने—संक्षिप्त जीवन तालिकाएं—स्थिर और स्थायी जनसंख्या—

विभिन्न जन्म गतियां—कुल प्रजनन गतियां—कुल और निवल उत्पादन गतियां—विभिन्न मरण गतियां—मानकीकृत मख गति—आंतरिक और अंतर-राष्ट्रीय प्रजनन—निवल प्रजनन—अंतर राष्ट्रीय और जनगणनोत्तर आकलन-वृद्धि वक्र संमजन सहित प्रक्षेपण विधियां—भारत में दशाब्दीय जनगणना

(iii) प्रयोग रूप कल्पना और विश्लेषण (40 प्रतिशत प्रधानता)

प्रयोग रूप कल्पना के नियम—पूर्ण रूप से यादृच्छिक बनाये गये, यादृच्छिक खंड और लैटिन चौक अभिकल्पों का विन्यास और विश्लेषण—क्रमगुणित प्रयोग और 2ⁿ और 3ⁿ प्रयोगों में संभ्रम—खंड और उपखंड अभिकल्प—संतुलित और अर्ध संतुलित असंपूर्ण वर्ग अभिकल्पों की रचना और विश्लेषण—सहचारिता का विश्लेषण—लांबिकेतर तथ्यों का विश्लेषण—लुप्त और मिश्रित ब्यूह के तथ्यों का विश्लेषण—

(iv) अर्थ मिति: (40 प्रतिशत प्रधानता)

उपभोक्ता मांग का सिद्धांत और विश्लेषण—मांग फलन का विशिष्टीकरण और आकलन—मांग की लोच—संरचना और नमूना—एकल समीकरण शैली में प्राचलों का आकलन—परंपरागत अल्पतम वर्ग, साधारणीकृत अल्पतम वर्ग, विप्रदेयता—क्रमागत महसंगंध-बहुल समरेखीयता—विचर प्रतिदर्श में वृद्धियां—समकी-निक समीकरण प्रतिदर्श—तदात्मता, वरीयता क्रम और क्रमण परिस्थितियां—परोक्ष अल्पतम वर्ग और दो स्तरीय अल्पतम वर्ग—अल्पकालिक आर्थिक भविष्य कथन

भाग 'ख'

मौलिक परीक्षा

उम्मीदवारों का साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके मामले उम्मीदवार का सर्वांगीण जीवनवृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिए व्यक्तित्व की दृष्टि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विषयाध्ययन के विशेष विषयों में ही मूख-बूझ के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचाराधारों और उन नई खोजों में रुचि ले, जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति ने जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं है अपितु स्वाभाविक निदेशन और प्रयोजनयुक्त वार्तालाप की प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, संतुलित निर्णय और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

परिशिष्ट II

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त व्योरा:—

1. जो उम्मीदवार दोनों में से किसी भी सेवा के लिये सफल होंगे, उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड-IV में परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी। जिसकी अवधि दो वर्ष होगी, और इस अवधि को घटाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परिवीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।
2. यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकाारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।
3. परिवीक्षा की अवधि या उसकी बढाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिये योग्य नहीं है तो सरकार उसे मुक्त कर सकती है।
4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोष जनक रूप से अपनी परिवीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाये तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तियां उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जायेगा।

5. भारतीय अर्थ सेवा और भारतीय सांख्यिकी सेवा के निर्धारित वेतनमान निम्नलिखित हैं:

चयन ग्रेड रु० 2000-125/2-2250

ग्रेड-I निदेशक—रु० 1800-100-2000

ग्रेड-II संयुक्त निदेशक रु० 1500-60-1800

ग्रेड-III उप-निदेशक रु० 1100-50-1600

ग्रेड-IV सहायक निदेशक—रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड में पदोन्नति समय समय पर यथासंशोधित भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा नियमों के उपबन्धों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा इनको निश्चित अवधि के लिए प्रति नियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों को सेवा की शर्तें तथा छुट्टी तथा पेंशन अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं ग्रुप 'क' के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगी।

8. भविष्य निधि की शर्तें वही हैं जो सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधनों को शर्त के साथ जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

परिशिष्ट III

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निदेशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह बात भी भली प्रकार समझ लनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टेडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़ें रहें और उसका वजन सिखाय एडियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। यह बिना अकड़ें सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियां, पिंडलिया, नितम्ब और कंधे माप-दण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ दी हैड लेवल) हारिजेंटल बार (आडो छड) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते की छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फोरियर एंगल्स) से लगा रहे और फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम के भिन्न (प्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट:—अन्तिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जायेगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी। किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बैसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा।

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख	अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख
6/9 या 6/9	6/9	जे० I	जे० II
6/9	6/12		

दृष्टि संबंधी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो।

(घ) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिये, और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार को ऐसी रोगात्मक दशा हो जोकि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्य कुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र:—सभी सेवाओं के लिये सम्मुख विधि (कन्फ्रंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जायेगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असन्तोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को पैरा मीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(घ) रतौंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस): साधारणतया रतौंधी दो प्रकार की होती है, (1) विटामिन 'ए' की कमी होने के कारण और (2) रैटीना के शारीरिक रोग के कारण जिसकी आम वजह रैटीनोटीस पिगमेंटीसा होती है। उपर्युक्त (1) में फंडस की स्थिति प्रसामान्य होती है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाती है। ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी प्रोढ़ होता है खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिये प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अन्धेरा अनुकूलन परीक्षण से स्थिति का पता चल जायेगा। उपर्युक्त के लिये, विशेषतया जब फंडस न हो तो इलेक्ट्रो-रैटीनोग्राफी किये जाने की आवश्यकता होती है। इन दोनों जांचों (अन्धेरा अनुकूलन और रैटीनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है और इसलिये साधारण चैकिसिक जांच से इसका पता लगाना संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिये कि ये बतायें कि रतौंधी के लिये इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन

व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं क्या हैं और उनको ड्यूटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (वाक्यूलर कंडीशन)

(i) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन दृष्टि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) की, जिसके परिणाम स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्य का कारण समझा जाना चाहिये।

(ii) भेगापन (रिक्वेंट) तकनीकी सेवाओं में, जहां दिनेत्री (वाइनाकुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भेगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिये। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भेगापन की अन्य सेवाओं के लिये अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिये।

(iii) एक आंख:—यदि किसी व्यक्ति की एक ही आंख हो अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि ही सामान्य हो, तो उसका प्रमाण प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहराई बोध हेतु त्रिविम दृष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पदों के लिये आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशंसित कर सकता है। बशर्ते कि सामान्य आंख:—

(i) की दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जे० 1 चश्मा लगाकर अथवा उसके बिना हो, बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिये किसी मैरिडियन में त्रुटि 4 डायोप्टेरिज से अधिक न हो।

(ii) की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो,

(iii) की सामान्य रंग दृष्टि, जहां अपेक्षित हो।

बशर्ते कि बोर्ड का यह समाधान हो जाये कि उम्मीदवार प्रश्नाधीन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टेक्ट लेंस—उम्मीदवार को स्वास्थ्य परीक्षा के समय कान्टेक्ट लेंस के प्रयोग की आशा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि आंख की जांच करते समय दूर की नजर के लिये टाइप किये हुए अक्षरों का उद्यमासन 15 फुट की ऊंचाई के प्रकाश से हो।

7. ब्लड प्रेशर :

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है:—

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।

- (ii) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन करने में 110 में आधी आयु जोड़ देने का तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—

सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर के मिस्टालिक प्रेशर की और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टालिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर में वृद्धि थोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कायिक (आर्गनिक) बीमारी है। ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्सरे और विद्युत हृदयलेखी (इलेक्ट्रो-कार्डियोग्राफिक) परीक्षाएँ और रक्त-मूरिया निकास (किलियरेंस) की जांच भी नैमी रूप से की जानी चाहिये। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारेवाले दावांतरमापी (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिये। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ हारिजेंटल स्थिति में रोगी के पाएँ पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिये। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच को रखड़ को भुजा के अन्दर की ओर रखकर और उसके नीचे किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगड़ धमनी (बैकिअल आर्टरी) को दबा दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर वीचीं बीच स्टेथोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० बी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे या कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जायगी तो ध्वनियाँ तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर वे साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की दबी-हुई-सी लुप्त प्राय हो जायें, वह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षीम कर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर

पुनः प्रकट हो जाती हैं)। इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किये गए मूल की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मैडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रसायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के शोतक चिह्नों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मैडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाये तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधुमेही (नान डायबेटिक) हो और बोर्ड केस की मेडिसिन के किसी ऐसे निश्चित विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएँ हों, मैडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर ट्रायलरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मैडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मैडिकल बोर्ड को फिट या अनफिट को अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थिति होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाय।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसकी अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टीशनर से आरोग्यता का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाणपत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए।

- (क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिन्ह है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है :—

1. एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन, दूसरा कान सामान्य पन 30 डेसीबेल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।

2. दोनों कानों में बहरेपन का प्रत्यक्ष बोध, जिपमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक की स्पीचफ्रिक्वेंसी में बहरेपन 30 डेसीबेल तक हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिये योग्य।
3. सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइम के टिमपेंनिक मैम्ब्रेन में छिद्र (1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेंनिक मैम्ब्रेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गये नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।
(ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।
(iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।
4. कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड केविटी में सब नार्मल श्रवण। किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केविटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सब-नार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।
(ii) दोनों ओर से मस्टायड केविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 38 डेसीबेल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।
5. बहते रहने वाला कान-आप-रेशन किया गया/बिना आप-रेशन वाला तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप में अयोग्य।
6. नासापट की हड्डी संबंधी/विस्पिनार्थ्रो(दोनों डिक्कामिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक को जीर्ण प्रदाहक/एलर्जिक दशा। प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।
(ii) यदि लक्षणों सहित नासापट अफसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप में अयोग्य।
7. टॉसिल्स और/या स्वर यंत्र (लेरिक्स) का जीर्ण यंत्र प्रदाहक दशा। (i) टॉसिल और/या स्वरयंत्र का जीर्ण प्रदाहक दशा-योग्य।
(ii) यदि आवाज में अल्पधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
8. कान, नाक, गले (इ० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर दुर्दभ ट्यूमर। (i) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप से अयोग्य।
(ii) दुर्दभ ट्यूमर अयोग्य।
9. आस्टोफिलरोमिस श्रवण यंत्र की सहायता से या अपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबल के अन्दर होने पर योग्य।
10. कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष। (i) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य।
(ii) भारी मात्रा में हकला हट हो तो अयोग्य।
11. नेजल पोली अस्थायी रूप में अयोग्य।
(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं है।
(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा।)
(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
(च) उसे स्पचर है या नहीं।
(छ) उसे हार्ड ड्रोमिल, बड़ा टुई बेरीकेमिल, बेरिकाजशिरा (बेन) या बवासीर है या नहीं।
(ज) उसे अंगो, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी अधिया भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती है या नहीं।
(झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।
(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निधान है या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (क्युनिकेयल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से जात न हो, सभी मामलों में नयी नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जाती जानी चाहिए, जहां आवश्यक समझा जाए, एक छाया चित्र (एवाय-ग्राम) लिया जाना चाहिए।

सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के संबंध में जहां कहीं सन्देह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किये जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, जैसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक त्रुटि अथवा विषयन (पेंगेशन) से पीड़ित होने की संदेश होने से बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल के किसी मनीषिकार विज्ञानी मनीषिज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार में अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार रु० 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। वह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जाएंगे। शेष दूसरों के मामलों में यह जब्त कर लिया जाएगा। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने आरोप होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपीलें पेश करनी चाहिए। अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगा और इसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के सम्बन्ध में की जाने वाली यात्राओं के लिए कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। अपील के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबन्ध के लिए मंत्रिमंडल (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्टें

मेडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टेण्डर्ड में सम्बन्धित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए उचित गुणांक रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अमाइंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता

(बाइजीन डन फामिटी) नहीं है जिसमें वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य में भी उतना ही संबद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जब कि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतया तीन सदस्य होंगे (i) एक कार्य चिकित्सक (ii) एक शल्य चिकित्सक और (iii) एक नेत्र चिकित्सक। ये सभी यथा संभव साध्य समान स्तर के होने चाहिए। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा के उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में बोर्ड को इन बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है या नहीं।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्टें को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकता है वहां डाक्टरी प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उदास्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की और उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

(1) अपना पूरा नाम लिखें
(साफ अक्षरों में)

(2) अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं.....

2. (क) क्या आप अनुसूचित जन जाति या गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैण्ड जनजाति आदि में से किसी जाति से सम्बन्धित हैं, जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है 'हां' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए। उत्तर 'हां' में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, रूमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है ?

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

4. आपको चेचक का टीका आखिरी बार कब लगा था ?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से की किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई ?

6. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित ब्यौरे दें :—

पिता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु का कारण।
--------------------------------------------------	---------------------------------------------	-----------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं और उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
------------------------------------------------------	---------------------------------------------	---------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो.....

म घोषित करता हूं कि जहां तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर.....

मेरे सामने हस्ताक्षर किए.....

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर.....

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि यह नियुक्त हो भी जाए तो वार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अवार्ड्स) या उपदान (ग्रेज्युटी) के सभी दावों से साथ खो बैठेगा।

..... (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास :..... अच्छा

..... बीच का.....

..... कम..... कम

घोषण : पता..... औसत

..... मोटा..... कद

जूते उतारकर).....
 वजन अत्युत्तम
 वजन कब था ?
 वजन में कोई हाथ ही में हुआ परि-
 वर्तन
 तापमान :
 छाती का घेर.....

- (1) पूरा सांस खींचने पर.....
- (2) पूरा सांस निकालने पर.....
 - (2) त्वचा कोई जहिरा.... बीमारी
- (3) नेत्र
 - (1) कोई बीमारी.....
 - (2) रतौधी
 - (3) कार विजन का दोष.....
 - (4) दृष्टि नेत्र फील्ड आफ विजन.....
 - (5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटा).....
 - (6) फंडस की जांच

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मों के बिना	चश्मों से	चश्मों की पावर गोल सिलि-एक्सिस
---------------------	----------------	-----------	--------------------------------

दूर की नजर	दा० ने०
	बा० ने०
पास की नजर	दा० ने०
	बा० ने०
हाइपरमेट्रोपिया (व्यक्त)	दा० ने०
	बा० ने०

4. कान : निरीक्षण..... सुनना
 दायां कान
 बायां कान. . .
5. ग्रंथियां थाई-राइड.....
6. दांतों की हालत

7. स्वसन तंत्र (रस्पेरेटरी सिस्टम) :—क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांच के अंगों में किसी असमानता का पता लगा है यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्यौरा दें ।

8. परिसंचरण तंत्र (सर्क्युलटरी सिस्टम)
 (क) हृदय : कोई आंगिक गति (आंगनिक लीजन)
 गति :—

(रेखा) खड़े होने पर

25 बार कुदाए जाने के बाद.....
 कुदाए जाने के 2 मिनट बाद.....

बलड प्रेशर..... सिस्टोलिक
 डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) घेर..... स्पर्श
 सह्यता हर्निया.....

(क) दबाकर मालूम पड़ना/जिगर.....
 तिल्ली..... गुर्दे.....
 ट्युमर

(ख) रक्तार्श
 भगेंदर

10. तांत्रिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक
 अशक्तता का संकेत

11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)
 की असमानता.....

12. जनन मूल तंत्र (जेनिटो यूरिनरी सिस्टम).....
 हाइड्रोसील वैरिकासाल आदि का
 कोई संकेत ।

मूल परीक्षा :—

- (क) कैसा दिखाई पड़ता है ?
- (ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिकि ग्रेविटा)
- (ग) एलबुमेन
- (घ) शक्कर
- (ङ) कास्ट
- (च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती का एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षता पूर्व निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ।

नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

15. (i) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा में दक्षता पूर्वक और निरन्तर कार्य करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया है ?
- (ii) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है ?

नोट :—बोर्ड को अपनी जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

- (i) योग्य (फिट)
- (ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण.....
- (iii) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिसका कारण.....

स्थान.....

अध्यक्ष.....

तारीख.....

सदस्य.....

सदस्य.....

परिशिष्ट-II

उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका

वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको 'वस्तुपरक परीक्षण' कहा जाता है। इस प्रकार की परीक्षा में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

परीक्षा का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3..... के क्रम से प्रश्न होंगे। हर एक प्रश्न के नीचे.....क्रम में संभावित उत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक उत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। अंत में दिए गए नमूने के प्रश्न देख लें। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्न के लिए आपको एक ही उत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक उत्तर चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

उत्तर देने की अवधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पुस्तिका को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नावेशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e, के क्रम में प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लें और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले

आयत को पेन्सिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है।

आपके उत्तर पत्रक में दिए गए उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन से किया जाएगा। इसलिए यह जरूरी है कि

1. आप उसी पेन्सिल का प्रयोग करें जो आपको पर्यवेक्षक दें। दूसरी पेन्सिलों या पेन के द्वारा बनाए गए निशान संभव हैं, मशीन से ठीक ठीक न पढ़ें जाएं।
2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें।
3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए।

कुछ महत्वपूर्ण नियम :

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से 30 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।
5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नंबर केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या साफ साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर कहीं भी आपको अपना नाम नहीं लिखना है।
6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेशों आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है, इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।
7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक रबड़ और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या लेखन सामग्री नहीं लानी है क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा, परीक्षण का नाम, अपना रोल नंबर, परीक्षण का विषय और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है, पेन्सिल से काला निशान लगाकर उत्तर अंकित करने चाहिए। उत्तर पत्रक पर लाल स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

कुछ उपयोगी सुझावनमूने के प्रश्न

यद्यपि हम परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा गुरुता को जाचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, बहुत विषायत के साथ, उपयोग करें। मतलब के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ा सकते हैं, बड़े पर तापस्वाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते तो तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

चूंकि प्रत्येक प्रश्न के सभाष्य उत्तर दिए होते हैं, इसलिए हो सकता है कि आप जिन प्रश्नों के उत्तर ठीक ठीक नहीं जानते हो उनके बारे में ऊहापोह के चक्कर में पड़ जाएं। अगर आप किसी प्रश्न के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं तो उसे छोड़ देना अच्छा होगा। ऐसे प्रश्नों पर अध्या अनुमान लगाने की अपेक्षा उनको छोड़ देने से संभवतः आप को अधिक नंबर मिल सकते हैं।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी सूक्ष्म बूझ और विश्लेषण क्षमता की परीक्षा हो। आपने लिए यह लाभदायक होगा कि आप सगत विषयों को एक बार मरसरी निगाह से देख लें। और इस बात से आश्वस्त हो जाए कि आप अपने विषय जो अच्छी तरह समझते हैं।

विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण पुस्तिका पर हाथिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाएगा। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की सख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के सबद्ध खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्रम सख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। जो उम्मीदवार इस तरह बन्द नहीं करते हैं, वे दंड के भागी होंगे।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठें रहे जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जाए और आपको टाई छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में बाहर ले जाने को अनुमति नहीं है। इस निर्देश का उल्लंघन करने वाले दंड के भागी होंगे।

मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है ?

- अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

उत्तर (d)

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- कार्यपालिका न्याय पालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (c)

3. पाठशाळा के छात्रों के लिए पाठ्येतर कार्यक्रमों का मुख्य प्रयोजन-

- विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- अनुशासन की समस्याओं को रोकथाम है।
- नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- शिक्षक के कार्य क्रम में विकल्प देना है।

उत्तर (a)

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह हैं

- | | |
|----------|--------------|
| (a) शुक | (d) बृहस्पति |
| (b) मंगल | (b) बुध |

उत्तर (d)

5. बर और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन सा विवरण स्पष्ट करता है ?

- पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षण उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाढ़ में भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ में भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (c)

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1978

संकल्प

सं० ई०-11011/10/75-हिन्दी—भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के दिनांक 4 अगस्त, 1976 के समसंख्यक संकल्प का अधिक्रमण करते हुए भारत सरकार ने वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय के लिये हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निश्चय किया है। इस समिति का गठन, कार्य आदि निम्नोक्त होंगे :—

- | | |
|-----------------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| 1. वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्री | अध्यक्ष |
| 2. श्री आरिफ बेग, वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री | उपाध्यक्ष |
| 3. श्री कृष्ण कुमार गोयल, वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री | उपाध्यक्ष |
| 4. श्री परमानन्द ठाकुरदास गोविन्दजीवाला, संसद सदस्य (लोक सभा) | सदस्य |
| 5. श्री हरगोविन्द वर्मा, संसद सदस्य (लोक सभा) | " |
| 6. श्रीमती मैमूना सुल्तान, संसद सदस्य, (राज्य सभा) | " |
| 7. श्री प्रेम मनोहर, संसद सदस्य, (राज्य सभा) | " |
| 8. अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य तथा उद्योग मंडल परिषद, नई दिल्ली | " |
| 9. डा० मे० राजेश्वरय्या, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर। | " |
| 10. डा० विजयेन्द्र स्नातक, आचार्य, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय। | " |
| 11. श्री मनोहर ग्याम जोशी, संपादक, साप्ताहिक हिन्दुस्तान। | " |
| 12. वाणिज्य सचिव | " |
| 13. सचिव, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता विभाग। | " |
| 14. सचिव, राजभाषा विभाग तथा भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार | " |
| 15. अध्यक्ष, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद् | " |
| 16. अपर सचिव वाणिज्य विभाग | " |
| 17. संयुक्त सचिव (प्रभारी, हिन्दी कार्य) नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता विभाग | " |
| 18. संयुक्त सचिव (हिन्दी), राजभाषा विभाग। | " |
| 19. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात | " |
| 20. अध्यक्ष, राज्य व्यापार निगम, | " |
| 21. अध्यक्ष, खनिज तथा धातु व्यापार निगम | " |
| 22. अध्यक्ष, व्यापार मेला प्राधिकरण | " |

- | | |
|------------------------------------------------------------------|------------|
| 23. महानिदेशक, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान | " |
| 24. कार्यकारी निदेशक, व्यापार विकास प्राधिकरण | " |
| 25. निदेशक, निर्यात निरीक्षण परिषद् | " |
| 26. मुख्य निदेशक, वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय | " |
| 27. महानिदेशक, भारतीय मानक संस्था | " |
| 28. प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम। | " |
| 29. संयुक्त सचिव/निदेशक (प्रभारी, हिन्दी कार्य), वाणिज्य विभाग)। | सदस्य सचिव |

2. कार्य

इस समिति का कार्य, सहकारी कार्यों में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित मामलों में मंत्रालय को सलाह देना होगा।

3. कार्य अवधि

समिति का कार्यकाल निम्नलिखित व्यवस्था, के साथ उनके गठन की तारीख से तीन वर्ष का होगा :—

(1) समिति में नामजद संसद सदस्य जैसे ही संसद सदस्य नहीं रहेंगे तभी वे इस समिति के सदस्य भी नहीं रहेंगे।

(2) अवधि के बीच में रिक्त हुआ स्थान संबंधित सदस्य के स्थान पर उसके पद पर आने वाले अधिकारी से भरा जाएगा, और वह अधिकारी तीन वर्ष की अवधि के बकाया काल के लिए सदस्य होगा :—

4. विविध

(1) समिति आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सदस्यों को सहयोजित कर सकेगी और अपनी बैठकों में भाग लेने के लिये विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सकेगी अथवा उप-समितियां नियुक्त कर सकेगी।

(2) समिति का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में होगा लेकिन समिति अपनी बैठकें किसी अन्य नगर में भी कर सकती है।

5. यात्रा व अन्य भत्ता

समिति और इस समिति की उप समितियों की बैठकों में उपस्थित होने के लिये गैर-सरकारी सदस्यों को भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दरों पर यात्रा और दैनिक भत्ता दिया जाएगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसद कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक

और महा लेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार और भारत सरकार के सभी मंत्रालय तथा विभागों को भेजी जायें।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संचाल्य की ग्राम जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

सज्जन राज शाह, निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1978

सं० 4(1)/76-ई० पी० जेड०—केन्द्रीय सरकार वाणिज्य मंत्रालय के सचिव श्री आर० डी० थापर को, श्री पी० सी० अलेक्जेंडर, सचिव, वाणिज्य मंत्रालय के स्थान पर, सांताक्रुज एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन अथारिटी के अध्यक्ष के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार के वाणिज्यिक मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 4(1)/73-ई० पी० जेड० दिनांक 15 फरवरी, 1973 और 10 जून, 1974 में निम्नोक्त अतिरिक्त संशोधन करती है :—

उपर्युक्त अधिसूचना में क्रमांक (1) के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नोक्त प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“1. श्री आर० डी० थापर,
सचिव,
वाणिज्यिक मंत्रालय
नई दिल्ली।”

सं० 4(1)/76-ई० पी० जेड०—केन्द्रीय सरकार श्री ए० एस० सेठी, निदेशक, वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय को, श्री एन० एस० वैद्यनाथन, के स्थान पर, सांताक्रुज एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन बोर्ड के सदस्य के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार के विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं० 16(2)/73-टी० ए० ई० पी० दिनांक 20 जनवरी, 1973 में निम्नोक्त अतिरिक्त संशोधन करती है :—

उपर्युक्त अधिसूचना में क्रमांक 11 के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नोक्त प्रविष्टि रखी जाएगी :—

“11. श्री ए० एस० सेठी,

निदेशक,

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय—
सदस्य सचिव”।

सं० 4(1)/76-ई० पी० जेड०—केन्द्रीय सरकार, श्री राजगोपाल, प्रबन्ध निदेशक, महाराष्ट्र राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स निगम को, सांताक्रुज इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन अथारिटी के सदस्य के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के अधिसूचना

सं० 4(1)/73-ई० पी० जेड० दिनांक 15 फरवरी, 1973 में निम्नोक्त अतिरिक्त संशोधन करती है :—

उपर्युक्त अधिसूचना में क्रमांक (12) के बाद निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात् :—

“(13) श्री एम० राजगोपाल,

प्रबन्ध निदेशक,

महाराष्ट्र राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स निगम,

बम्बई।

सदस्य”

सं० 4(1)/76-ई० पी० जेड०—केन्द्रीय सरकार श्री एम० राजगोपाल, आई० ए० एस० प्रबन्ध निदेशक, महाराष्ट्र राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स निगम को, सांताक्रुज इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन के सदस्य के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है और भारत सरकार के विदेश व्यापार मंत्रालय की समय समय पर यथासंशोधित अधिसूचना संख्या 16(2)/-73-टी० ए० ई० पी०, दिनांक 20 जनवरी, 1973 में निम्नोक्त अतिरिक्त संशोधन करती है :—

उपर्युक्त अधिसूचना में क्रमांक 14 के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा अर्थात् :—

“15. श्री एम० राजगोपाल,

प्रबन्ध निदेशक,

महाराष्ट्र राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स निगम,

बम्बई।

सदस्य”

यू० आर० कुर्लेकर, अवर सचिव

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(रसायन और उर्वरक विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1978

संक्षेप

सं० एल० 16013(4)/78-रसा०-II-डैस्क—अधिक राष्ट्रीय उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायता देने के लिये रसायन और उर्वरक उद्योगों के सुवृद्ध विकास को बढ़ावा देने की दृष्टि से केन्द्रीय सरकार ने रसायनों और उर्वरकों पर तत्काल एक सलाहकार समिति का निम्न प्रकार गठन करने का निर्णय किया है :—

गठन

(क) अध्यक्ष—पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्री।

(ख) उपाध्यक्ष—पेट्रोलियम रसायन उर्वरक और राज्य मंत्री

(ग) सरकारी सदस्य :

1. सचिव (रसायन और उर्वरक)

2. सचिव (वित्त)

3. सचिव (औद्योगिक विकास विभाग)

4. डा० एस० धवन, सचिव अन्तरिक्ष विभाग

5. तकनीकी विकास महानिदेशक।

6. कार्यकारी निदेशक, उर्वरक उद्योग समन्वय समिति

(घ) गैर-सरकारी सदस्य :

1. 5 संसद सदस्य (3 लोक सभा के और 2 राज्य सभा के)

- 2 उद्योग के तीन प्रतिनिधि, जिनको अध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा।
- 3 शैक्षिक संस्थाओं के दो प्रतिनिधि, जिनको अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किया जाएगा।
- 4 तीन गैर-सरकारी सदस्य जनता से।
- 5 अध्यक्ष भारतीय उर्वरक संगठन।
- 6 अध्यक्ष, राष्ट्रीय वातावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान।

(ड) सदस्य सचिव:

संयुक्त सचिव (उर्व०)

कार्य-काल

गैर-सरकारी सदस्य, समिति के गठन की तारीख से एक वर्ष तक सदस्य रहेंगे। गैर-सरकारी सदस्य का कार्य-काल एक वर्ष से अधिक बढ़ाया जा सकता है।

कार्य—

1. रसायन और उर्वरक उद्योगों के स्तर और कार्य की समय-समय पर समीक्षा करना।
2. उर्वरकों और आवश्यक रसायनों के उत्पादन, मांग और अन्य प्रवृत्तियों की समीक्षा करना।
3. एककों का अधिक विस्तार और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता के विवेक संदर्भ में रसायन और उर्वरक उद्योगों के विकास के लिये उपायों का सुझाव देना।
4. देशीय प्रौद्योगिकी के विकास की समीक्षा करना और देशीय अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिये नीति का सुझाव देना और और उसके साथ-साथ प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण तथा उसे अपनाने के लिये अपेक्षित शर्तों की सिफारिश करना।
5. वातावरण संबंधी प्रदूषण को समाप्त करने के लिये उपाय सुझाना।
6. जहां कहीं रसायन उद्योगों की रणनीति की आशंका हो उसे रोकने के लिये उपाय सुझाना।

कारोबार के नियम:—

- (क) समिति की बैठक एक वर्ष में कम से कम दो बार होगी।
- (ख) उद्योग की विविष्ट समस्याओं पर सरकार को सलाह देने के लिये अध्यक्ष, उप-समितियों का गठन कर सकते हैं।
- (ग) श्रमिक नीतियों और व्यक्तिगत समस्या समिति के विचारार्थ विषयों के अन्तर्गत नहीं आएंगी।
- (घ) समिति पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति के कार्य पर कोई प्रति-कूल प्रभाव डाले बिना कार्य करेगी।

(ड) समिति की सिफारिशें पूर्ण रूप से सलाह के रूप में मानी जाएंगी।

(च) यदि कोई सदस्य किसी विषय का विचार विमर्श के लिये प्रस्तुत करना चाहे तो उसे उस विषय का संक्षिप्त विवरण देते हुए सदस्य-सचिव को एक माह का नोटिस देना होगा।

यात्रा भत्ता:—

गैर-सरकारी सदस्यों को समिति की बैठक में भाग लेने के लिये सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित दर पर यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जाएगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी संबंधितों को दी जाय।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को ग्राम सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

एस० कृष्णस्वामी, सचिव

उद्योग मंत्रालय

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1978

संकल्प

सं० 25/30/75-आई० सी० सी०—इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 25/30/75-आई० सी० सी० दिनांक 23 जनवरी, 1978 के क्रम में भारत सरकार कय उद्योग संबंधी उच्च स्तरीय अध्ययन दल द्वारा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई, 1978 करती है।

2. आदेश दिया जाता है कि ग्राम सूचना के लिये संकल्प की एक प्रति भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाये तथा सभी को इससे अवगत कराया जाये।

जी० बी० रामाकृष्णा, अपर सचिव

कृषि और मिर्चाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1978

संकल्प

सं० 11-2/77-एल० डी० I—चौधरी, रणवीर सिंह, सदस्य राज्य सभा और श्री मोहन लाल पिपिल, सदस्य लोक सभा को इस विभाग के दिनांक 2-12-1977 के इसी संख्या के संकल्प द्वारा पुनर्गठित दिल्ली दुग्ध योजना की शासकीय निकाय में सदस्य के रूप में नियुक्त किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को एक एक प्रति दिल्ली प्रशासन, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, मंत्रिमण्डल सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, वाणिज्यिक तथा लेखा परीक्षकों के निदेशकों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा भार्गव, दिल्ली नगर निगम, अध्यक्ष, नगर निगम, नई दिल्ली, महाप्रबंधक, मंदर डेयरी, अध्यक्ष, दिल्ली दुग्ध योजना को भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्व-सधारण की सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एस० के० हाजरा, उप सचिव

सिचाई विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च 1978

संकल्प

सं० 8/17/74-वि० का० दो०—संकल्प संख्या 8/17/74-वि० का० दो०, दिनांक 30 जनवरी, 1976 में, जिसके द्वारा बाणसागर बोर्ड और उसके अन्तर्गत कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया था, निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं:—

बाणसागर नियंत्रण बोर्ड

पैरा-1 इस प्रकार प्रतिस्थापित किया जाता है:—

मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश की सरकारों के साथ परामर्श करके बाणसागर बांध के, जिसमें मध्य प्रदेश के सभी संबंधित निर्माण कार्य शामिल हैं, लेकिन नहर प्रणालियां शामिल नहीं हैं, जिनका क्रियान्वयन मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश के संबंधित राज्यों द्वारा किया जाएगा, दक्षतापूर्वक, मितव्ययतापूर्ण और शीघ्र क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिये बाणसागर नियंत्रण बोर्ड की स्थापना करने का फैसला किया गया है, इस परियोजना का समग्र कार्य-भार, जिसमें उसके तकनीकी और वित्तीय पहलू भी शामिल हैं, इस नियंत्रण बोर्ड पर होगा। वास्तविक निर्माण कार्य मध्य प्रदेश सरकार के संबद्ध मुख्य इंजीनियर द्वारा इस नियंत्रण बोर्ड के निदेशन के अन्तर्गत किए जाएंगे।

कार्यकारिणी समिति

पैरा-8 में प्रविष्टि (2) (ख) और (ङ) इस प्रकार प्रतिस्थापित की जाती है:—

(ख) वित्तीय सलाहकार, कृषि और सिचाई मंत्रालय (सिचाई विभाग)।

(ङ) संयुक्त सचिव, (गं० वे०) कृषि और सिचाई मंत्रालय (सिचाई विभाग) भारत सरकार।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों, राष्ट्रपति के निजी और सैनिक सचिवों, प्रधान मंत्री कार्यालय, भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार, योजना आयोग तथा केन्द्रीय सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को सूचनार्थ भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए तथा राज्य सरकारों से अनुरोध किया जाए कि वे इसे सार्वजनिक सूचना के लिये राज्य के राजपत्रों में प्रकाशित करें।

सुरेन्द्र बहादुर खरे, संयुक्त सचिव

ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत् विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1978

संकल्प

सं० ब० ता० वि० प० नि० बी०-1(1)/67-ब० ता० वि० प० नि० बी०—बदरपुर ताप विद्युत् परियोजना का कुशल मितव्ययों और शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिये भूतपूर्व सिचाई और विद्युत् मंत्रालय के संकल्प संख्या बिजली दो०-28(7)/67, दिनांक 23 जून, 1967 के द्वारा बदरपुर ताप विद्युत् परियोजना नियंत्रण बोर्ड का गठन किया गया था। ऐसे तकनीकी, वित्तीय और अन्य मामलों पर, जो बोर्ड द्वारा समिति को सौंपे जाएं नियंत्रण बोर्ड की ओर से निर्णय लेने के लिये बोर्ड की एक स्थाई समिति भी गठित की गयी थी।

भारत सरकार ने बदरपुर ताप विद्युत् परियोजना/बदरपुर ताप विद्युत् केन्द्र का प्रबन्ध 1-4-1978 में राष्ट्रीय ताप विद्युत् निगम (ऊर्जा मंत्रालय, विद्युत् विभाग के अधीन एक सरकारी उपक्रम) को अन्तर्गत करने का निर्णय लिया है। अतः यह निर्णय लिया गया है कि उपरोक्त संकल्प के द्वारा गठित बदरपुर ताप विद्युत् परियोजना नियंत्रण बोर्ड और इसकी स्थायी समिति 1-4-1978 से कार्य करना बन्द कर देंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि उपर्युक्त संकल्प हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों, भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों/प्रधान मंत्री के सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, राष्ट्रपति के सचिव, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक तथा दिल्ली प्रशासन को भेज दिया जाए।

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

विनय सिन्हा, संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 18th April 1978

No. 24-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and ranks of the officers

Shri Mahabir Prasad Tyagi, (Deceased)
Inspector of Police,
Dehra Dun,
Uttar Pradesh.

Shri Vidya Prakash Awasthi,
Sub-Inspector of Police,
Dehra Dun,
Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

A sensational dacoity was committed in the premises of the State Bank of India, Khatauli on the 16th December, 1975 and the culprits escaped with Rs. 7 lakhs after killing a peon and a bank guard. Investigations revealed that the crime was committed by three residents of Muzaffarnagar. One of them was arrested on the 30th December, 1975 and he gave the names of the other two accused alleged to have been involved. Reliable information was received by Inspector Mahabir Prasad Tyagi on the 1st June, 1976 that the wanted persons were living in Chandigarh under the assumed style of Raja and his Secretary. He rushed to Chandigarh with other police officers in plainclothes. On the 2nd June, 1976 Inspector Mahabir Prasad Tyagi spotted the desperadoes coming out of a hotel in Chandigarh. Since there was no time to forewarn the local police and seek their help, the police officers at the risk to their own lives, took upon themselves the task of apprehending the two accused who were reported to be dangerous criminals involved in various heinous offences including murder and robbery. The police officers disclosed their identity and asked the accused to surrender. One of them immediately took out a knife and was about to assault Shri Mahabir Prasad Tyagi but he caught hold of the right hand of the culprit in a tight grip who then tried to take out a loaded pistol from a trouser pocket with his other hand. Shri I. P. Singh of the police party caught hold of his hand and prevented him from taking out the pistol. In an effort to escape the accused bit deep into the arm of Shri Tyagi and also dashed his head several times on Shri Tyagi's chest due to which he was severely injured. The other accused also tried to take out a pistol from his pocket but was held in a firm grip by Shri Vidya Prakash Awasthi. The accused then tried to evoke public sympathy that they were being kidnapped. The scuffle attracted public attention towards them and police soon arrived and arrested the accused. A sum of Rs. 2,71,668.25 was recovered from them along with a stengun. By this time Inspector Mahabir Prasad Tyagi became unconscious. He was removed to the hospital where he succumbed to his injuries after 17 days.

In this action Shri Mahabir Prasad Tyagi and Shri Vidya Prakash Awasthi showed exemplary courage, initiative, determination and devotion to duty of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd June, 1976.

No. 25-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Ahmadulla Khan, (Deceased)
Sub-Inspector of Police,
Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the night of 1st/2nd March, 1976, the Sabarnati Express, which runs between Varanasi and Ahmedabad, left Pama Railway Station in Uttar Pradesh at 1.45 A.M. Suddenly six persons travelling in a two-tier compartment of the train started assaulting and looting the property of the passengers in the compartment. Three of them were armed

with pistols and the others with knives. Sub-Inspector Dev Singh of the Uttar Pradesh Police and Sub-Inspector Ahmadulla Khan of the Madhya Pradesh Police were also travelling in the same compartment. Unmindful of the grave risk the two Sub-Inspectors challenged the dacoits and asked the passengers to face them boldly. Seeing the Sub-Inspectors advancing the dacoits fired at them. Shri Dev Singh fortunately escaped but Shri Ahmadulla Khan was hit by a bullet and died on the spot. The dacoits later stopped the train and escaped with the looted property.

In this incident Shri Ahmadulla Khan displayed great courage, initiative and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 1st March, 1976.

No. 26-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Assam Police :—

Names and ranks of the officers

Shri Arun Chandra Dev,
Company Havildar Major,
6th Assam Police Battalion,
Kathal,
Assam.

Shri Bidhu Bhusan Chakravarty,
Havildar,
6th Assam Police Battalion,
Kathal,
Assam.

Shri Kutubuddin Borbhuyan,
Armed Branch Constable No. 560,
6th Assam Police Battalion,
Kathal,
Assam.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 7th December, 1976 information was received about the presence of a gang of armed hostiles in Barun-cherrapar district Cachar. Shri Arun Chandra Dev, Company Havildar Major, in-charge of the outpost, immediately organised a raiding party. On reaching the camp of the hostiles he divided his party into three groups, one for assault on the hostiles, another for preventing their escape and a third one for giving covering fire to his own party. Without regard for his personal safety Shri Dev himself led the assault group on the hostiles' well defended positions. As the police party approached, the hostiles opened fire. The police party returned the fire. During the encounter Havildar Bidhu Bhusan Chakravarty saw a hostile hiding in a bush with his rifle aimed towards the police party. With great presence of mind and without regard for his personal safety Shri Chakravarty leapt forward on the hostile's position and succeeded in killing him by firing from his stengun. Shri Kutubuddin Borbhuyan who had been detailed to provide covering fire, on finding that there was a possibility of the hostiles retreating into the dense forest closed in on them in the face of heavy odds, and fired from his stengun inflicting heavy casualties. He succeeded in killing one hostile and thereby enabled the assault group to advance and attack the others. A large number of arms and ammunition were captured.

In this action Shri Arun Chandra Dev, Shri Bidhu Bhusan Chakravarty and Shri Kutubuddin Borbhuyan displayed bravery, courage, determination and devotion to duty of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th December, 1976.

No. 27-Pres./78.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to undermentioned officer of the Delhi Police :—

Name and rank of the officer

Shri Om Parkash,
Sub-Inspector No. 264/D (Officiating)
Delhi Police,
Delhi.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 30th April, 1973 Shri Om Prakash was on patrol duty in the Mayapuri Industrial area in connection with Delhi Bandh. He received information at about 10.15 A.M. that a riotous mob had surrounded a Printing Press. As he rushed to the spot he saw the mob setting fire to the building. The owner of the building and the members of his family were trapped in the building. Shri Om Prakash, at the risk of his life, went inside the building and brought out the owner and members of his family one by one and took them to the police vehicles which were waiting outside the building. The infuriated mob attack the vehicles with stones and lathies but the police party was able to carry the owner of the Press and his family to safety. After the vehicles had left, the mob tried to wreak vengeance on Shri Om Prakash and he was beaten up. Unable to withstand the attack from the violent crowd singlehandedly, he fell to the ground but was saved due to the arrival of police reinforcements.

Shri Om Prakash thus exhibited gallantry, courage, determination and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 30th April, 1973.

K. C. MADAPPA, Secy. to the President

PLANNING COMMISSION

New Delhi, the 23rd February, 1978

RESOLUTION

No. 11-2/74-IJC.—The Committee for Studies on Economic Development in India and Japan set up vide Planning Commission Resolution No. F.13(39)/62-Adm.I dated the 1st June 1962 and last reconstituted vide Planning Commission Resolution No. 11-2/74-IJC dated the 14th September 1976 has been further reconstituted as follows :—

Chairman

Shri Badr-ud-Din Tyabji

Member

Shri V. G. Rajadhyaksha

Dr. M. S. Swaminathan

Dr. B. V. Mehta

Shri Charat Ram

Dr. Freddie Mehta

2. Shri R. P. S. Verma, Director, Planning Commission, will be the Secretary of the Committee.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments, all Chief Ministers of States, all Ministries of the Government of India, the Prime Minister's Secretariat, the Cabinet Secretariat, the Secretary to the President, the Military Secretary to the President and heads of all Indian Missions abroad.

Ordered also that a copy be published in the Gazette of India.

K. K. SRIVASTAVA,
Jt. Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

New Delhi-1, the 4th April 1978

ORDER

No. 27/26/78-C1.II.—In pursuance of clause (ii) of sub-section (i) of Section 209A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby authorises Shri V. P. Kapoor Inspecting Officer in the office of the Regional Director, Company Law Board, Calcutta, for the purpose of the said section 209A.

N. L. PILLAY,
Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

New Delhi, the 7th April 1978

No. 4/13/78-CS(1).—The President is pleased to appoint the following permanent Grade I officers of the Central Secretariat Service to the Selection Grade of the Service in a substantive Capacity with effect from the date mentioned against each :—

S. No.	Name	Date
	S/Shri	
1.	M. P. Rodrigues (M/of Home Affairs)	1-1-1975
2.	K. N. Bhanot (D/Mines)	1-4-1975
3.	R. L. Mohan (D/of Irrigation)	1-5-1975
4.	S. C. Bhatnagar (M/Finance, D/Expenditure)	1-8-1975
5.	M. G. Thomas (O/O the Director/General, Civil Aviation)	1-8-1975
6.	S. D. Chatterjee (M/Defence)	1-11-1975
7.	O. P. Mehra (M/Finance, D/Revenue)	1-10-1976
8.	Harish Chandra (D/Statistics)	1-10-1976
9.	S. S. Pradhan (D/of Irrigation)	1-1-1977

K. L. RAMACHANDRAN,
Dy. Secy.

New Delhi, the 29th April, 1978

RULES

No. 11013/1/77-ES.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1978 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

(i) The Indian Economic Service, and

(ii) The Indian Statistical Service.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; The Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968, and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 26 years on 1st January, 1978 i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1952 and not later than 1st January, 1957.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate, belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vii) up to a maximum of three years in a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin

from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

(c) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit on the crucial date viz. 1st January, 1978 and who was detained under the Maintenance of Internal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the period of Internal Emergency between 25-6-75 and 21-3-77 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limits prescribed for admission to this examination, will be eligible to appear at the examination subject to the condition that he should not have sat for i.e. (he should have foregone) the examination at least once during the period between June, 1975 and March, 1977.

Note : Under this concession, which will not be admissible for admission to any examination held after 31-12-1979, not more than one chance will be allowed.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 1st December, 1978.

Note II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission.

Note III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, will be required to submit a 'No Objection Certificate' from the Head of their Office/Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure to the Commission's Notice.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script (s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, for any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva voce*.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled

Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

16. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

Note.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

18. No person :

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix II.

P. G. LELE
Under Secretary

APPENDIX-I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—*Viva Voce* (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

S. No.	Subject	Maximum Marks	Time allowed
A. Indian Economic Service			
1. General	150		3 hrs.
2. General Studies	150		3 hrs.
3. General Economics I (Part I and II)	200	Part I- 1 hr. } Part II-2 hrs. }	3 hrs.
4. General Economics II (Part I and II)	200	Part I -1hr. } Part II-2hrs. }	3 hrs.
5. Indian Economics (Part I and II)	200	Part I-1 hrs. } Part II-2hrs. }	3 hrs.
B. Indian Statistical Service			
1. General English	150		3 hrs.
2. General Studies	150		3 hrs.
3. Statistics I	200		3 hrs.
4. Statistics II	200		3 hrs.
5. Statistics III	200		3 hrs.

Note I.—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

Note II.—Part I of the paper on subjects at S. Nos. 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

Note III.—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type question.

Note IV.—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see Candidates' Information Manual at Appendix IV.

Note V.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

GENERAL ENGLISH.

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words.

GENERAL STUDIES.

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

GENERAL ECONOMICS—I

Theory of consumers' demand : Indifference curve analysis, Revealed preference approach.

Theory of production : Factors of production. Production functions. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value : Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution : Pricing of factors of production. Theories of rent, wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare economics : Old and new welfare economics. The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment, output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment, Post-Keynesian developments.

GENERAL ECONOMICS—II

Concept of economic growth and its measurement. Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

Planning : Concept and methods. Planning under capitalist and socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics : Theories of international trade, gains from trade. Terms of trade. Trade policy. International trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments. Disequilibrium in balance of payments. Mechanism of adjustments. Foreign trade multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and international monetary reform, GATT; International aid for economic growth, I.B.R.D. and its affiliates.

Money : Its value and functions. Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives : Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical averages and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

INDIAN ECONOMICS

Basic features of the Indian economy. Development strategy; Role of agriculture and industry; Role of foreign trade; Concept of balanced growth.

Planning : Objectives, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture : New agricultural strategy; land relations and land reforms; rural credit; role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary occupations and rural industries.

Cooperation : its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry : Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises : Organisation, management control and accountability, price policy.

Labour : Employment, unemployment and under-employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and incomes policy.

Foreign Trade : Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking : organisation of the Indian money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve Bank of India. Monetary policy.

Public Finance : Fiscal Policy Growth of public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing. Union-State financial relations.

STATISTICS I

NOTE :—ONLY OBJECTIVE (MULTIPLE CHOICE)

QUESTIONS WILL BE SET

Probability (40 percent weight).

Elements of measure theory. Classical definitions and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of m events out of n . Conditional probability. Bayes' theorem. Random variables—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, Cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial, beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants. Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

Statistical methods (45 percent weight)

Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location, dispersion and skewness. Bivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate distributions. Bivariate normal distribution. Regression-linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of \bar{X} , S^2 , t , chi-square and F ; tests of significance based on them.

Non-parametric tests—sign, median, run, Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median.

Numerical Analysis (15 percent weight)

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton (Divided difference), Gauss and Stirling. Euler-Machurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant co-efficients.

STATISTICS—II

NOTE :—ONLY OBJECTIVE (MULTIPLE CHOICE)
QUESTIONS WILL BE SET

Linear Models (25 percent weight)

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff set up. Least square estimators. Use of ginverse. Analysis of one-way and two-way classified data—fixed, mixed and random effect models. Tests for regression co-efficients.

Estimation (25 percent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation methods of maximum likelihood, minimum chi-square, moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator, Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

Hypothesis testing (25 percent weight)

Simple and composite hypotheses. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT. OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

Multivariate Analysis (25 per cent weight)

Multivariate normal distribution. Estimation of mean Vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's T^2 statistic, Mahalanobis's D^2 statistic, partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

STATISTICS—III

Note :—ONLY ESSAY TYPE QUESTIONS, NOT INVOLVING LENGTHY AND COMPLICATED PROOFS.
WILL BE SET

PART A (Compulsory for all)

Sampling Techniques (35 percent weight)

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster, double, multiphase, multistage, and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

Economic Statistics (25 percent weight)

Components of time series. Methods of their determination—Variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

PART B

CANDIDATES WILL BE ALLOWED OPTION OF
ANSWERING QUESTIONS ON ANY ONE OF THE
FOLLOWING TOPICS

(i) *Statistical Quality Control and Operations Research*
(40 percent weight)

Different kinds of control charts for variables and attributes. Acceptance sampling by attributes—single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOQL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of Dodge—Roming and other tables.

Operations research approach. Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of duality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. M/M/1, M/M/C models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) *Demography and Vital Statistics* (40 percent weight)

The life table, its construction and properties. Makeham's and Gompertz curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and postcensal estimates. Projection methods including logistic curve fitting. Decennial population censuses in India.

(iii) *Design and Analysis of Experiments* (40 percent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and latin square designs. Factorial experiments and confounding in 2nd and 3rd experiments. Split plot designs. Construction and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of nonorthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) *Econometrics* (40 percent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-squares, heteroscedasticity, serial correlation, multi-collinearity, errors in variables model. Simultaneous equation models—Identification, rank and order conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

PART B

Viva Voce.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study, also in events which are happening around him both within and without his own state of country, as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination :

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instructions and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows :

Selection Grade Rs. 2000—125/2—2250.

Grade I—Director Rs. 1800—100—2000.

Grade II—Joint Director Rs. 1500—60—1800.

Grade III—Députy Director Rs. 1100—50—1600.

Grade IV—Assistant Director Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension for officers of the two Services will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services, Group 'A'.

8. Conditions of Provident are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX III**REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES**

These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidates height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together, and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will be lowered to hang loosely by the side, and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidates will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fraction of a half of a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses.

Distance Vision		Near vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9	6/9		
	or		
6/9	6/12	I-I	I-II

(d) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of vision*.—The field of vision shall be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness*.—Broadly there are two types of night blindness, (1) as a result of vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa, in (1) the fundus is normal, generally seen in younger age-group and ill-nourished persons, and improves by large doses of Vit. A. in (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult, and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment, and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical considerations it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other than visual acuity*.—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint*.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye*.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is embylopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit should persons provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and II near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 diopters for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses*.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination, of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either trying or sitting. The arm is supported comfortably at the patients side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg and then slowly deflated.

The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Some times as the cuff is deflated sounds are heard, at a certain level : they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

1. Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.
2. Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in speech frequencies of 1000 to 4000.
3. Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.
 - (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present Temporarily unfit Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.
 - (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.
 - (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.
4. Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.
 - (i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.
 - (ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.
5. Persistently discharging ear-operated/unoperated. Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.
6. Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformity of nasal septum.
 - (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
 - (ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit.

7. Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.

Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily unfit.

8. Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.

(i) Benign tumours—Temporarily unfit.

(ii) Malignant Tumours—Unfit.

9. Otosclerosis

If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.

10. Congenital defects of ear, nose or throat.

(i) If not interfering with functions—Fit.

(ii) Stuttering, of severe degree—Unfit.

11. Nasal Poly.

Temporarily—Unfit.

(b) that his speech is without impediment.

(c) that his teeth, are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound)

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease,

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution.

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g., if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidate may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication.

in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Cabinet Sectt. (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should made due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician, (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed

to the warning contained in the Note below :

1. State your name in full (in block letters)
2. State your age and birth place.
 - (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.
3. (a) Have you ever had small pox, intermittent or any other fever-enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis? OR
(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?
4. When were you last vaccinated?
5. Have you suffered from any form of nervousness due to overwork or any other cause?
6. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health.	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
---------------------------------------------	------------------------------------------	--------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--------------------------------------------	------------------------------------------	-------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------

7. Have you been examined by a Medical Board before?
8. If answer to the above is 'Yes' please state what Service/Services, you were examined for?
9. Who was the examining authority?
10. When and where was the Medical Board held?
11. Result of the Medical Board's examination. If communicated to you or if known.

I declared that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....

signed in my presence.....

Signature of the Chairman of the Board

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate)
.....Physical Examination

1. General development: Good fair
..... Poor

Nutrition: Thin Average..... Obese
Height (without shoes) Weight

Best Weight When? any recent
change in weight? Temperature.....

Girth of Chest:

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin: Any obvious disease

3. Eyes:

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual acuity

(6) Fundus examination

Acquity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glass Sph. Cyl. axis.
Distant vision	R.E. L.E.		
Near vision	R.E. L.E.		

4. Ears: Inspection Hearing: Right Ear.....
Left Ear

5. GlandsThyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system: Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?.....
if yes, explain fully

8. Circulatory System:

(a) Heart: Any organic lesion?.....Rate
Standing

After hopping 25 times

2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure: SystolicDiastolic.....

9. Abdomen: Girth Tenderness
Hernia

(a) Palpable: Liver Spleen
Kidneys Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula.....

10. Nervous System: Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco Motor System: Any abnormality

12. Genito Urinary System: Any evidence of Hydrocele, varicocele, etc.

Urine Analysis:

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of Screening X-ray Examination of Chest.....

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate?

Note:— In the case of female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit vide Regulation 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service and Indian Statistical Service

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE.....

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories:

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(ii) Temporarily unfit on account of.....

Place Chairman

Date Member

Member.

APPENDIX IV

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

Objective Test

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination you do not write detailed answers. For each question (herein after referred to as item) several possible answers are given. You have to choose one answer (hereinafter referred to as response) to each item.

This manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

Nature of the Test

The question paper will be in the form of test booklet. The booklet will contain items bearing number 1, 2, 3...etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, the best response. See sample question at the end. In any case in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

Method of Answering

A separate answer sheet will be provided to you in the Examination Hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the test booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, numbers of the items from 1 to 200 have been printed in four sections. Against each item responses a, b, c, d, e are printed. After you have read each item in the test booklet and decided which of the given responses is correct or the best, you have to mark the

rectangle containing the letter of the response by blackening it completely with the pencil as shown in the enclosed specimen answer sheet. Your answer sheet will be scored by an optical scoring machine. It is, therefore, important that—

1. You use only the pencil provided by the Supervisor; the machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark erase it completely and remark the correct response.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate it.

Some Important Rules

1. You are required to enter the examination hall 20 minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL.**
5. Write clearly the name of the examination, your Roll No., centre, subject and date of the test and serial number of the test booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the test booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring an eraser and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall as they are not needed. A separate sheet will be provided to you for rough work. You should write the name of examination/test, your Roll number and subject of the test and date on it before doing your rough work and return it to the Supervisor alongwith your answer sheet at the end of the test. Answers should be marked by blackening with pencil as indicated above. Red ink should not be used on the answer sheet.

Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

As the possible answers for each question are given, you may wonder whether or not to guess the answers to questions about which you are not certain. If you know nothing about a question, better leave it blank. You will get better marks by omitting to answer such questions than by blind guessing.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure UNDERSTAND the subject thoroughly.

Special Instructions

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this the invigilator will give you the test booklet. Each test booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your test booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed; otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your test booklet on the relevant column of the answer sheet. You are not allowed to break the seal of the test booklet until you are asked by the Supervisor to break it.

Conclusion of Test

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop will be penalised.

After you have finished answering remain in your seat and wait till the invigilator collects the test booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the test booklet and the answer sheet out of the examination hall. Those who violate this direction are liable to be penalised.

SAMPLE QUESTIONS

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)
2. In a parliamentary form of Government
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
 - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)
3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual class room work.
 - (d) allow choice in the educational programme.

(Answer—a)
4. The nearest planet to the Sun is
 - (a) Venus.
 - (b) Mars.
 - (c) Jupiter.
 - (d) Mercury.

(Answer—d)
5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

(MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES
& COOPERATION)

New Delhi, the 11th April 1978

RESOLUTION

No. E-11011/10/75-Hindi.—In supersession of erstwhile Ministry of Commerce Resolution of even number dated the 4th August, 1976, the Government of India have decided to reconstitute the Hindi Salahkar Samiti for the Ministry of Commerce, Civil Supplies & Cooperation. Its composition, functions etc. will be as given hereunder :—

Chairman

1. Minister of Commerce, Civil Supplies & Cooperation.
Vice-Chairman
2. Shri Arif Beg, Minister of State in the Ministry of Commerce, Civil Supplies & Cooperation.
3. Shri K. K. Goel, Minister of State in the Ministry of Commerce, Civil Supplies & Cooperation.

Members

4. Shri Permanand Thakurdas Govindjiwala, M.P. (Lok Sabha).
5. Shri Har Govind Verma, M.P. (Lok Sabha).
6. Smt. Maimoona Sultan, M.P. (Rajya Sabha).
7. Shri Prem Manohar, M.P. (Rajya Sabha).
8. Chairman, Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry, New Delhi.
9. Dr. M. Rajeswariah, Professor & Head of Hindi Department, University of Mysore, Mysore.
10. Dr. Vijayendra Snatak, Professor, Hindi Department, Delhi University.
11. Shri Manohar Shyam Joshi, Editor, Saptahik Hindustan.
12. Commerce Secretary.
13. Secretary, Department of Civil Supplies & Cooperation.
14. Secretary, Department of Official Language and Hindi Adviser to the Government of India.
15. Chairman, Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad.
16. Additional Secretary, Department of Commerce.
17. Joint Secretary (Incharge of Hindi work), Department of Civil Supplies & Cooperation.
18. Joint Secretary (Hindi), Department of Official Language.
19. Chief Controller of Imports & Exports.
20. Chairman, State Trading Corporation of India.
21. Chairman, Minerals and Metals Trading Corporation of India.
22. Chairman, Trade Fair Authority of India.
23. Director-General, Indian Institute of Foreign Trade.
24. Executive Director, Trade Development Authority.
25. Director, Export Inspection Council.
26. Chief Director, Vanaspati, Vegetable Oils and Fats.
27. Director-General, Indian Standards Institution.
28. Managing Director, National Cooperative Development Corporation.

Member-Secretary

29. J.S./Director (Incharge of Hindi work).

2. Functions.

The function of the Samiti will be to advise the Ministry on matters relating to the progressive use of Hindi for official purposes.

3. Tenure.

The term of the Samiti will be three years from the date of its formation, provided that,

- (1) A Member of Parliament nominated to the Samiti shall cease to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament.

- (2) Any mid-term vacancy shall be filled up by the concerned member's successor in office, who shall be a Member for the residue of the term of three years.

4. General.

- (1) The Committee may coopt additional members and invite experts to attend its meeting or appoint sub-committees as may be deemed necessary.
- (2) Headquarters of the Samiti will be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

5. Travelling and other Allowances.

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Samiti and the sub-committees of the Samiti at the rates fixed by the Government of India from time to time.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, A.G.C.R. and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. R. SHAH,
Director.

New Delhi, the 12th April 1978

No. 4(1)/76-EPZ.—The Central Government hereby appoints Shri R. D. Thapar Secretary, Ministry of Commerce as Chairman of the Santacruz Electronics Export Processing Zone Authority vice Shri P. C. Alexander, Secretary, Ministry of Commerce and makes the following further amendment in the Government of India, Ministry of Commerce Notification No. 4(1)/73-EPZ dated the 15th February, 1973 and 10th June, 1974.

In the said notification for the entry against serial number (1) the following entry shall be substituted, namely :—

"1. Shri R. D. Thapar,
Secretary,
Ministry of Commerce, C. S. & Cooperation,
New Delhi."

No. 4(1)/76-EPZ.—The Central Government hereby appoints Shri A. S. Sethi Director Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation, as member of the Santacruz Electronics Export Processing Zone Board, vice Shri N. S. Vaidyanathan, and makes the following further amendment in the Government of India, Ministry of Foreign Trade Notification No. 16(2)/73-TAEP, dated the 20th January, 1973, namely :—

In the said notification for the entry against serial number 11, the following entry shall be substituted, namely :—

—Member-Secretary"

"11. Shri A. S. Sethi,
Director,
Ministry of Commerce, Civil Supplies
and Cooperation.

No. 4(1)/76-EPZ.—The Central Government hereby appoints Shri S. Rajgopal, Managing Director, Maharashtra State Electronics Corporation as member of the Santacruz Electronics Export Processing Zone Authority and makes the following further amendment in the Government of India, Ministry of Commerce, Notification No. 4(1)/73-EPZ, dated the 15th February, 1973 :—

In the said notification, after serial No. (xii), the following shall be added, namely :—

—Member"

"(xiii) Shri S. Rajgopal,
Managing Director,
Maharashtra State Electronics Corporation,
Bombay.

No. 4(1)/76-EPZ.—The Central Government hereby appoints Shri S. Rajgopal I.A.S., Managing Director, Maharashtra State Electronics Corporation as member of the Santacruz Electronics Export Processing Zone Board and makes the following further amendment in the Government of India, Ministry of Foreign Trade Notification No. 16/2/73-TAEP, dated the 20th January, 1973, as amended from time to time.

In the said notification, after serial number 14, the following shall be added, namely :—

*15. Shri S. Rajgopal,
Managing Director,
Maharashtra State Electronics Corporation, Bombay.
Member

U. R. KURLEKAR,
Under Secy.

MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS
DEPARTMENT OF CHEMICALS AND FERTILIZERS

New Delhi, the 10th April 1978

RESOLUTION

No. 1-16013(4)/78-Ch.II/Dsk.—With a view to promote the healthy development of the chemical and fertilizer industries to help achieve the larger national objectives, the Central Government have decided to constitute an Advisory Committee on Chemicals and Fertilizers with immediate effect as under :—

COMPOSITION :

- (a) Chairman,—Minister, Petroleum, Chemicals and Fertilizers.
- (b) Vice Chairman,—Minister of State, Petroleum, Chemicals and Fertilizers.
- (c) *Official Members* :
 - (i) Secretary (Chemicals and Fertilizers).
 - (ii) Secretary (Finance).
 - (iii) Secretary, Department of Industrial Development.
 - (iv) Dr. S. Dhawan, Secretary, Department of Space.
 - (v) Director General of Technical Development.
 - (vi) Executive Director, Fertilizer Industry Coordination Committee.
- (d) *Non-official Members* :
 - (i) Five Members of Parliament (Three from Lok Sabha and Two from Rajya Sabha).
 - (ii) Three representatives of the industry to be nominated by the Chairman.
 - (iii) Two representatives from Academic Institutions to be nominated by the Chairman.
 - (iv) Three non-official public men.
 - (v) Chairman, Fertilizer Association of India.
 - (vi) Chairman, National Environmental Engg. Research Institute.
- (e) *Member-Secretary* :
Joint Secretary (Fertilizers).

TENURE :

The non-official members will hold office for one year from the date of the constitution of the Committee. The term of a non-official member may be extended beyond one year.

FUNCTIONS :

- (i) To review periodically the status and functioning of the chemical and fertilizers industries.
- (ii) To review the production, demand and other trends of fertilizers and essential chemicals.
- (iii) To suggest measures for the development and growth of the chemical and fertilizer industries with special reference to the need for wider dispersal of units and promotion of rural development.

- (iv) To review the status of indigenous technology and suggest the policy framework for promotion of indigenous research and development and recommend *inter alia* the conditions required for transfer and absorption of technology.
- (v) To suggest measures for combating environmental pollution.
- (vi) To suggest measures to prevent sickness in chemical industries wherever it is apprehended.

RULES OF BUSINESS :

- (a) The Committee will meet atleast twice in a year.
- (b) The Chairman may constitute sub-Committees to advise the Government on specific problems of the industry.
- (c) Labour policies and personnel problems are outside the terms of the reference of the Committee.
- (d) The Committee will function without prejudice to the functioning of the Consultative Committee of the Parliament for the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers.
- (e) The recommendations of the Committee will be purely advisory in character.
- (f) Any member wanting to bring up a subject for discussion should give a clear notice of one month to the Member-Secretary and state briefly the subject to be discussed.

TRAVELLING ALLOWANCES :

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Committee at the rates fixed by Government from time to time.

ORDER

Ordered that a copy of the resolution be communicated to all concerned.

Ordered also that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. KRISHNASWAMI,
Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 10th April 1978

RESOLUTION

No. 25/30/75-ICC.—In continuation of this Ministry's Resolution No. 25/30/75-ICC, dated the 23rd January, 1978, the Government of India are pleased to extend the date by which the High Level Study Team on Coir Industry is to submit its report, to the 31st July, 1978.

2. Ordered that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India for general information and that it be communicated to all.

G. V. RAMAKRISHNA,
Addl. Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi-1, the 21st March 1978

RESOLUTION

No. 11-2/77-1.D1.—Ch. Ranbir Singh, Member, Rajya Sabha and Shri Mohanlal Pipil, Member Lok Sabha are appointed as members of the Governing Body for Delhi Milk Scheme as reconstituted vide this Department Resolution of even number dated 2-12-1977.

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to the Delhi Administration, All Ministries Department of the Government of India, Cabinet Sectt., Prime Minister's Office, the President's Sect., the Planning Commission, the Comptroller and Auditor General of India, the A.G.C.R., the Directorate of Commercial Audit, Indian Council of Agriculture Research, the Director General Health Services, Mayor, Delhi

Municipal Corporation, the President, New Delhi Municipal Committee, the General Manager, Mother Dairy, the Chairman, Delhi Milk Scheme.

Ordered also that this Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. K. HAJRA,
Dy. Secy.

DEPARTMENT OF IRRIGATION

New Delhi, the 28th March 1978

RESOLUTION

No. 8/17/74-DW-II.—The following amendments are made in Resolution No. 8/17/74-DW-II dated the 30th January, 1976, constituting the Bansagar Control Board and the Executive Committee thereunder :—

Bansagar Control Board

Para 1 is substituted as under :—

"In consultation with the Governments of Madhya Pradesh, Bihar and Uttar Pradesh, it has been decided to set up the Bansagar Control Board with a view to ensuring the efficient, economical and early execution of the Bansagar Dam including all connected works in Madhya Pradesh but excluding the canal systems which will be executed by the respective States namely Madhya Pradesh, Uttar Pradesh and Bihar. The Control Board will be in overall charge of the project including its technical and financial aspects. The actual works of construction will be carried out under the direction of the Control Board by the Chief Engineer concerned of the Madhya Pradesh Government."

Executive Committee

Entry (2) (b) & (e) in Para 8 is substituted as under :—

- (b) Financial Adviser in the Union Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Irrigation);
- (e) Joint Secretary (Ganga Basin) in the Union Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Irrigation).

ORDER

Ordered that this Resolution be communicated to all the State Governments and Union Territories, the Private and

Military Secretaries to the President, Prime Minister's Office, the Comptroller and Auditor General of India, the Planning Commission and all Ministries/Departments of Central Government for information.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India and that the State Governments be requested to publish it in the State Gazette for general information.

S. B. KHARE,
Jt. Secy.

MINISTRY OF ENERGY

(DEPARTMENT OF POWER)

New Delhi, the 31st March 1978

RESOLUTION

No. BTP CB-1(1)/67-BTP CB.—The erstwhile Ministry of Irrigation and Power Resolution No. EL-II-28(7)/67 dated 23rd June, 1967, had set up a Badarpur Thermal Project Control Board for ensuring efficient, economic and early implementation of Badarpur Thermal Power Project. Also a Standing Committee of the Board was set up to take decisions on behalf of the Control Board on such technical, financial and other matters as may be delegated to it by the Board.

The Government of India have since decided to transfer the management of the Badarpur Thermal Power Project/Badarpur Thermal Power Station to the National Thermal Power Corporation (a Public Sector Enterprise under the Ministry of Energy, Department of Power) with effect from 1-4-1978. It has, therefore, been decided that Badarpur Thermal Project Control Board and its Standing Committee set up vide Resolution referred to above shall cease to function with effect from 1-4-1978.

ORDER

Ordered that the above Resolution be Communicated to the Governments of Haryana and Uttar Pradesh, the Ministries/Departments of Government of India, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Secretary to the President, the Planning Commission, the Controller and Auditor General of India, and Delhi Administration.

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India.

B. SINHA,
Jt. Secy.